सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 15 अंक - 35 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 18 नवंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

आस्था का महापर्व 'छठ': खरना के साथ शुरू होगा 36 घंटे का निर्जला व्रत, जानें महत्व

भिलाई। छठ गीतों के बीच शुक्रवार को व्रतियों ने चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ की शुरुआत नहाय-खाय से की। आज छठ का दूसरा दिन है। जो खरना कहा जाता है। इस दिन व्रती पूरा दिन व्रत रखने के बाद शाम को गुड़ की खीर का प्रसाद ग्रहण करेंगे और फिर 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा। जिसे बेहद कठिन व्रत माना गया है।

खरना का अर्थ शुद्धिकरण से जुड़ा है। खरना के दिन बने भोजन और प्रसाद में शुद्धता का बहुत ख्याल रखना होता है। खरना के बाद से ही छठ का निर्जला व्रत शुरू होता है। शाम को भगवान सूर्य की पूजा की जाती है। और फिर प्रसाद ग्रहण किया जाता है। खरना का भोजन और प्रसाद मिट्टी के चूल्हे पर बनाया जाता है। और फिर अगले दिन सूर्यास्त के समय व्रती घाटों पर पहुंच जाते हैं। जहां डूबते हुए सूर्य को जल और दूध से अर्घ्य दिया जाता है।

इससे पहले शुक्रवार को छठ पर सुबह से ही घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। लोग स्नान के बाद नहाय-खाय और खरना प्रसाद के लिए गंगा जल पीतल सहित अन्य बर्तनों में लेकर घर गए। कद्दू, अरवा चावल, चना दाल, आंवले की चटनी आदि का प्रसाद पवित्र स्नान के बाद ग्रहण किया। इसके साथ चार दिवसीय छठ व्रत करने का संकल्प भी भगवान सूर्य के समक्ष लिया। बताते हैं कि छठ के चार दिवसीय महानुष्ठान में भगवान भास्कर और उनकी मानस बहन षष्ठी देवी की असीम कृपा श्रद्धालुओं को प्राप्त होती है। छठ करने से लोगों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ता है। संतान प्राप्ति, स्वास्थ्य, सुख, शांति और समृद्धि के लिए भी लोग इस व्रत को करते हैं।

चक्रवाती तूफान ने बढ़ाया टेंशन इन राज्यों में होगी भारी बारिश! मौसम विभाग का रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने ताजा भविष्यवाणी की है। इसके मुताबिक, चक्रवाती तूफान 'मिधिली' शनिवार सुबह कमजोर होकर त्रिपुरा और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर एक गहरे दबाव में बदल गया है। इसके अगले छह घंटों में दक्षिण असम और उससे सटे मिजोरम और त्रिपुरा के ऊपर उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है। बता दें कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र शुक्रवार को एक चक्रवाती तूफान में बदल गया। इसके कारण पश्चिम बंगाल, ओडिशा समेत पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान 'मिधिली' 17 नवंबर की रात या 18 नवंबर की सुबह बांग्लादेश तट को पार कर सकता है। मछुआरों को 18 नवंबर तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल के तटों के पास समुद्र में न जाने के लिए कहा है।

मौसम विभाग ने पहले कहा था कि चक्रवाती तूफान बांग्लादेश तट पर पहुंचने से पहले सुंदरबन से आगे बढ़ेगा। आईएमडी ने अपने बुलेटिन में कहा, चक्रवाती तूफान 'मिधिली' कमजोर होकर त्रिपुरा और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर मैजडीकोर्ट (बांग्लादेश) से लगभग 50 किमी उत्तर-पूर्व और अगरतला से 60 किमी दक्षिण-पूर्व में गहरे दबाव में बदल गया है।

पूर्वोत्तर राज्यों (मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा और असम) में भारी बारिश हुई है। बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरे दबाव का क्षेत्र शुक्रवार को चक्रवाती तूफान में बदल गया। आईएमडी के मुताबिक शनिवार को भी मौसम की यही स्थिति बनी रहने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023

इस बार हुआ 75.08 फीसदी मतदान

खरसिया में हुई बंपर वोटिंग, रायपुर पश्चिम के लोगों नहीं दिखा उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर सभी सीटों पर शुक्रवार को मतदान हुआ। दूसरे चरण के लिए 17 नवंबर को 70 विधानसभा सीटों पर कुल 75.08 प्रतिशत मतदान हुआ है। सबसे ज्यादा मतदान रायगढ़ जिले की खरसिया विधानसभा सीट पर 86.54 प्रतिशत हुआ है। वहीं सबसे कम मतदान रायपुर जिले की रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट पर 55.93 फीसदी हुआ है। गरियाबंद जिले की नक्सल प्रभावित सीट बिंद्रानवागढ़ को छोड़कर बाकी 69 सीटों पर सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक वोटिंग हुई।

वहीं बिंद्रानवागढ़ के 9 बूथों पर सुबह 7 से सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान हुआ। बाकी के सभी मतदान केंद्रों में 69 सीटों की तरह ही मतदान हुआ।

बुजुर्गों, युवाओं और दिव्यांगों में दिखा उत्साह

मतदान के दौरान बुजुर्गों, युवाओं और दिव्यांगों में में जमकर उत्साह देखने को मिला। पहली बार वोट करने पहुंची युवतियां काफी खुश दिखीं। रायपुर में 60 साल के बुजुर्ग दिव्यांग रामनरेश मतदान करने पहुंचे। मतदान केंद्र में दिव्यांग मतदाताओं के लिए में व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई थी। इस दौरान बुजुर्गों ने युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। मतदाता सेल्फी जोन में पहुंचकर सेल्फी लेते हुए देखे गए।

पिछले चुनाव की तूलना में 1.8 प्रतिशत कम मतदान

दूसरे चरण में 70 सीटों पर 75.08 प्रतिशत मतदान हुआ जोकि वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव की तुलना में 1.8 प्रतिशत कम है। 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में प्रदेश में 76.88 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया था।

70 विधानसभा सीटों पर जानें कितने फीसदी हुई वोटिंग

2023 में मतदान प्रतिशत	2018 में मतदान प्रतिशत
अभनपुर में 83.00 प्रतिशत	83.94 प्रतिशत
अहिवारा में 72.02 प्रतिशत	73.22 प्रतिशत
अकलतरा में 74.13 प्रतिशत	76.58 प्रतिशत
अंबिकापुर में 75.58 प्रतिशत	79.09 प्रतिशत
आरंग में 74.12 प्रतिशत	76.75 प्रतिशत
बैकुंठपुर में 81.79 प्रतिशत	81.14 प्रतिशत
बलौदा बाजार में 76.10 प्रतिशत	76.12 प्रतिशत
बसना में 83.47 प्रतिशत	85.81 प्रतिशत
बेलतरा में 65.71 प्रतिशत	68.02 प्रतिशत
बेमेतरा में 79.55 प्रतिशत	78.47 प्रतिशत
भरतपुर सोहनत में 81.80 प्रतिशत	83.91 प्रतिशत
भाटापारा में 75.10 प्रतिशत	76.66 प्रतिशत
भटगांव में 81.35.प्रतिशत	78.53 प्रतिशत
भिलाई नगर में 66.34 प्रतिशत	67.47 प्रतिशत
बिलाईगढ़ में 70.39 प्रतिशत	71.7 प्रतिशत
बिलासपुर में 56.28 प्रतिशत	61.59 प्रतिशत
बिल्हा में 69.63 प्रतिशत	73.63 प्रतिशत
बिंद्रानवागढ़ में 83.20 प्रतिशत	85.7 प्रतिशत
चंद्रपुर में 68.66 प्रतिशत	75.38 प्रतिशत
धमतरी में 81.00 प्रतिशत	82.27 प्रतिशत
धरमजयगढ़ में 86.00 प्रतिशत	86.17 प्रतिशत
धरसीवां में 77.63 प्रतिशत	78.47 प्रतिशत
डोंडीलोहारा 81.24 प्रतिशत	80.92 प्रतिशत
दुर्ग शहर में 66.48 प्रतिशत	68.97 प्रतिशत
दुर्ग ग्रामीण में 74.79 प्रतिशत	74.47 प्रतिशत
गुंडरदेही में 83.01 प्रतिशत	83.09 प्रतिशत
जैजैपुर में 69.50 प्रतिशत	68.22 प्रतिशत
जांजगीर चांपा में 74.59 प्रतिशत	72.35 प्रतिशत
जशपुर में 75.93 प्रतिशत	76.71 प्रतिशत
कसडोल में 83.60 प्रतिशत	74.13 प्रतिशत
कटघोरा में 74.02 प्रतिशत	77.93 प्रतिशत
खल्लारी में 81.34 प्रतिशत	83.24 प्रतिशत
खरसिया में 86.54 प्रतिशत	86.54 प्रतिशत
कोरबा में 66.30 प्रतिशत	71.96 प्रतिशत
कोटा में 73.20 प्रतिशत	74.94 प्रतिशत
कुनकुरी में 77.29 प्रतिशत	77.9 प्रतिशत
कुरूद में 86.0 प्रतिशत	88.83 प्रतिशत
लैलुंगा में 85.44 प्रतिशत	84.92 प्रतिशत
लोरमी में 67.98 प्रतिशत	72.33 प्रतिशत
लुंड्रा में 85.10 प्रतिशत	85.94 प्रतिशत
महासमुंद में 75.75 प्रतिशत	80.97 प्रतिशत
मनेंद्रगढ़ में 74.02 प्रतिशत	72.48 प्रतिशत
मरवाही में 78.27 प्रतिशत	81.06 प्रतिशत
मस्तूरी में 66.40 प्रतिशत	69.06 प्रतिशत
मुंगेली में 65.89 प्रतिशत	69.74 प्रतिशत
नवागढ़ में 75.00 प्रतिशत	73.07 प्रतिशत
पाली-तानाखार में 80.38 प्रतिशत	82.14 प्रतिशत
पामगढ़ में 67.48 प्रतिशत	70.8 प्रतिशत
पाटन में 84.12 प्रतिशत	83.19 प्रतिशत
पत्थलगांव में 78.66 प्रतिशत	80.54 प्रतिशत
प्रतापपुर में 79.44 प्रतिशत	83.92 प्रतिशत
प्रेमनगर में 79. 56 प्रतिशत	81.05 प्रतिशत
रायगढ़ में 78.80 प्रतिशत	77.11 प्रतिशत
रायपुर उत्तर में 57.80 प्रतिशत	60.28 प्रतिशत
रायपुर दक्षिण में 59.99 प्रतिशत	61.66 प्रतिशत
रायपुर पश्चिम में 55.93 प्रतिशत	60.45 प्रतिशत
रायपुर ग्रामीण में 57.80 प्रतिशत	61.11 प्रतिशत
राजिम में 82.04 प्रतिशत	82.82 प्रतिशत
रामानुजगंज में 83.50 प्रतिशत	82.07 प्रतिशत
रामपुर में 76.65 प्रतिशत	83.33 प्रतिशत
साजा में 77.80 प्रतिशत	82.61 प्रतिशत
सक्ति में 76.70 प्रतिशत	75.44 प्रतिशत
सामरी में 83.42 प्रतिशत	82.31 प्रतिशत
संजारी बालोद में 84.07 प्रतिशत	84.21 प्रतिशत
सरायपाली में 81.68 प्रतिशत	83.04 प्रतिशत
सारंगढ़ में 79.37 प्रतिशत	79.86 प्रतिशत
सिहावा में 86.00 प्रतिशत	82.68 प्रतिशत
सीतापुर में 81.31 प्रतिशत	81.3 प्रतिशत
तखतपुर में 73.52 प्रतिशत	73.2 प्रतिशत
वैशाली नगर में 65.67 प्रतिशत	65.73 प्रतिशत

रोहित और विराट के लिए खास प्लान तैयार लेकिन शमी से बचना होगा-पैट कमिंस

अहमदाबाद (एजेंसी)। वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल मैच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होना है। दोनों टीमें दूसरी बार वनडे विश्व कप के फाइनल में आमने-सामने हैं। इससे पहले साल 2003 में दोनों टीमें विश्व कप फाइनल में टकराई थीं और ऑस्ट्रेलिया ने एकतरफा अंदाज में मैच अपने नाम किया था। इस बार भारतीय टीम 20 साल पहले मिली हार का बदला लेना चाहेगी। भारत के पास मौका भी क्षमता दोनों है। अपने घरेलू मैदान में टीम इंडिया शानदार लय में चल रही है। लगातार 10 मैच जीतने के बाद भारत फाइनल भी अपने नाम करना चाहेगा।

फाइनल मैच से पहले पहले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने प्रेंस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को आउट करने के लिए उनके पास खास प्लान है। हालांकि, उन्होंने यह बात स्वीकार की कि उन्हें शमी से बचकर रहना होगा। कमिंस ने कहा पिच काफी अच्छी लग रही है, टूर्नामेंट में पहले भी इसका इस्तेमाल किया जा चुका है। मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को फाइनल में अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए। अहमदाबाद में भारतीय टीम को जबरदस्त समर्थन मिलता है और विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच में यह देखा गया था। इसे लेकर कमिंस ने कहा भारत बहुत अच्छी टीम है। भीड़ जाहिर तौर पर एकतरफा (भारत के समर्थन में) होने वाली है।विश्व कप के मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया का प्रदर्शन हमेशा से शानदार रहा है। इसे लेकर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा बड़े मैचों में हमारे अलग-अलग खिलाड़ी अलग-अलग समय पर खड़े होते हैं। हमारी टीम में चोट की कोई समस्या नहीं है। विश्व कप जीतने को लेकर पैट कमिंस ने कहा अगर हम इसे हासिल कर सके तो यह बहुत बड़ी जीत होगी। अगर मैं प्रतिभाशाली लोगों के इस समूह के साथ ट्रॉफी उठा सकूं तो यह बहुत खुशी की बात होगी।

उम्मीद के कम रहा मतदान का प्रतिशत

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान अपेक्षा से कम ही रहा है। पिछले चुनाव के मुकाबले लगभग एक फीसदी कम लोगों ने मतदान किया है। दूसरे चरण में 70 सीटों पर 75.08 प्रतिशत वोटिंग हुई। 2018 में मतदान का यह प्रतिशत 75.17 था। इस बार सबसे कम 65.45 प्रतिशत रायपुर में और सबसे ज्यादा धमतरी में 84.23 प्रतिशत मतदान हुआ है। नक्सल प्रभावित 9 बूथों पर 91 प्रतिशत वोटिंग हुई है। बड़े जिलों की बात करें तो दुर्ग में 71.59, बिलासपुर में 67.35, रायगढ़ में 83.92 और सरगुजा में 80.18 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इन आंकड़ों की तुलना 2018 के आंकड़ों से करने पर ज्यादा अंतर दिखाई नहीं देता। पर यदि हालातों के आधार पर आंकलन करें तो मतदान अपेक्षा से काफी कम हुआ है। इस बार मतदान तिथि दीपावली-छठ के दरम्यान थी। अर्थात अवकाश के कारण अधिकांश लोग अपने-अपने गांव-घर या निर्वाचन क्षेत्रों में ही थे। दूसरे शहरों या राज्यों में अध्ययनरत बच्चे भी घर आए हुए थे। दूसरे राज्यों में नौकरी करने वाले भी छुट्टियों में आए हुए थे। मौसम भी बढ़िया था। लोग सुबह से ही बूथों में पहुंचने लगे थे। सभी वर्गों के मतदाताओं को रिझाने के लिए ढेरों मुद्दे थे। धान मूल्य, मुफ्त बिजली, ऋण माफी, केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा, महिलाओं को रेवड़ी के अलावा सीएम और पीएम के फैन्स की भी बड़ी संख्या थी। ऐसे में मतदान प्रतिशत को काफी ज्यादा होना चाहिए था। फिर मतदान कम क्यों हुआ? दरअसल, निर्वाचन आयोग ने सुव्येवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता (स्वीप) कार्यक्रम के तहत जोर-शोर से मतदान को लेकर प्रचार तो किया पर विद्यार्थियों के मतदाता के रूप में पंजीयन पर ज्यादा जोर नहीं दिया। बड़ी संख्या में विद्यार्थी वोट डालने के नारे तो लगाते रहे पर उनका स्वयं का नाम वोटर लिस्ट में दर्ज होने से रह गया। मौजूदा दौर में हाईस्कूल से लेकर पीजी तक में अध्ययनरत अधिकांश विद्यार्थियों का पूरा फोकस कोर्स और प्रतियोगिता परीक्षाओं के प्रति होता है। मतदाता पंजीयन और रोजगार पंजीयन जैसी बातें उनके जेहन में आती ही नहीं है। ये दो काम केवल वही विद्यार्थी कर पाते हैं जिनके माता पिता उनके पीछे पड़ जाते हैं। शहरों से लेकर गांवों तक मतदान का जो पैटर्न रहा है, वह यह बताने के लिए काफी है कि चुनाव में भाग ले रहे दल, शहरी मतदाताओं को आकर्षित करने में विफल रहे हैं। धान की कीमतों ने जहां किसानों और किसान परिवारों को भारी भरकम मतदान के लिए उकसाया वहीं महिलाओं के लिए घोषित 12-15 हजार रुपए सालाना का भी जादू चल गया प्रतीत होता है। मुफ्त शिक्षा और मुफ्त बिजली का भी कुछ तो असर रहा ही होगा। बहरहाल, फिलहाल सभी दल सांस रोके 3 दिसम्बर का इंतजार कर रहे हैं। अब बहस इसपर होने लगी है कि क्या इस चुनाव के नतीजे लोकसभा चुनाव का आभास देंगे? क्या मोदी गारंटी काम कर जाएगा?

संपादकीय

मतदान का दूसरा चरण

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदान का दूसरा चरण भी संपन्न हो गया। शुक्रवार को मध्य प्रदेश की सभी 230 सीटों पर एक साथ और छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण की 70 सीटों पर मतदान हुआ। इसके बाद अब राजस्थान में 23 नवंबर को और तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान शेष है, 3 दिसंबर को जनता का फैसला सामने आ जाएगा। बहरहाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 7.20 करोड़ से अधिक लोगों ने कुल 300 सीटों के लिए मतदान किया है। छत्तीसगढ़ में 7 नवंबर को पहले चरण के मतदान में 70 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ था और शुक्रवार को भी अंतिम मतदान प्रतिशत उसके ज्यादा दूर नहीं रहेगा। मध्य प्रदेश में तो मतदाताओं के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर तीन बजे तक 60 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हो चुका था। उम्मीद है, दोनों ही राज्यों में मतदान में सुधार का सुखद का अनुभव होगा। वैसे, मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं हिंसा दुखद है। ऐसे इलाकों में भविष्य में सावधानी बरतना जरूरी है। मध्य प्रदेश के साथ ही छत्तीसगढ़ में भी भाजपा और कांग्रेस के बीच ही मुख्य मुकाबला है। मध्य प्रदेश में भाजपा अपनी सरकार बचाने की कोशिश में है, तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सत्ता अपने पास बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। मध्य प्रदेश के साथ ही छत्तीसगढ़ भी एक ऐसा प्रदेश है, जहां भाजपा और कांग्रेस के मतदान प्रतिशत के बीच ज्यादा अंतर नहीं रहता है और अनेक बार तो सीटों का अंतर भी बहुत कम होता है। जमीनी आधार पर अगर देखें, तो जितनी मजबूत भाजपा है, लगभग उतनी ही मजबूत कांग्रेस है। मतदान प्रतिशत में थोड़ा भी अगर इधर-उधर हुआ, तो सीटों में बड़ा अंतर दिख सकता है। राजस्थान में भी पिछली बार सीटों का अंतर ज्यादा नहीं था। खैर, अगर राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वर्चस्व दिखा, तो इससे विपक्षी गठबंधन को मजबूती मिलेगी और इसका फायदा कांग्रेस के साथ पूरे विपक्षी गठबंधन को अन्य राज्यों में भी होगा। अगर भाजपा मध्य प्रदेश में फिर जीत जाए और कांग्रेस से एक राज्य भी छीन ले, तो यह विपक्षी गठबंधन के लिए बुरा संकेत होगा। विधानसभा चुनाव के चाहे जो नतीजे हों, लोकसभा चुनाव में तीखा मुकाबला तय है। भाजपा ने इन विधानसभा चुनावों में पूरा जोर लगा रखा है, क्योंकि उसे पता है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में जीतना कितना महत्वपूर्ण है। आमतौर पर कहीं भी भारी मतदान की स्थिति नहीं है, और भारी मतदान की स्थिति में यह सामान्य आकलन किया जाता है कि सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ लोग नाराज हैं। वास्तव में, चुनावों के प्रति लोगों को जितना स्वाभाविक लगाव होना चाहिए, उतना नहीं है। मतदान के लिए खूब प्रेरित करने के बावजूद मतदान 80 प्रतिशत को नहीं छू पा रहा है। लोक-लुभावन घोषणाओं की भरमार भी एक संकेत है कि जीत के प्रति कोई भी दल आश्वस्त नहीं है और इसीलिए मतदाताओं को रिझाने का कोई भी प्रयास हाथ से जाने नहीं देना चाहता। खास बात यह भी है कि इन चुनावों में घोषणा की जगह गारंटी शब्द का इस्तेमाल ज्यादा हुआ है। शुक्रवार को तेलंगाना में कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र जारी करते हुए कहा है कि सभी छह गारंटी को पहली कैबिनेट बैठक में ही लागू कर दिया जाएगा। निस्संदेह, हमारी राजनीति अब कोरे कागजी वादों-आश्वासनों से आगे निकलकर ठोस गारंटी तक पहुंच गई है। अब लोगों ने किस पर विश्वास किया, यह तो 3 दिसंबर को पता चलेगा, सबको इंतजार है।

> राजस्थान में भी पिछली बार सीटों का अंतर ज्यादा नहीं था। खैर, अगर राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वर्चस्व दिखा, तो इससे विपक्षी गठबंधन को मजबूती मिलेगी और इसका फायदा कांग्रेस के साथ पूरे विपक्षी गठबंधन को अन्य राज्यों में भी होगा। अगर भाजपा मध्य प्रदेश में फिर जीत जाए और कांग्रेस से एक राज्य भी छीन ले, तो यह विपक्षी गठबंधन के लिए बुरा संकेत होगा।

यह गर्व की बात है?

भारतीय मीडिया में इस खबर को खूब अहमियत मिली है कि अमेरिका में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों में भारतीयों की संख्या में तीव्र वृद्धि हुई है। अब अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाला हर चौथा विदेशी छात्र भारतीय है। साल 2022-23 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या बढ़ कर 2.60 लाख पार कर गई। यह आंकड़ा हर साल बढ़ता जा रहा है। बेशक इस तथ्य से यह बात जाहिर होती है कि भारतीय आबादी में ऐसे लोगों की संख्या की बढ़ी है, जो अपने बच्चों को अमेरिका भेज कर पढ़ाने की स्थिति में हैं। लेकिन यह तथ्य देश की अपनी उच्च शिक्षा व्यवस्था पर एक प्रतिकूल टिप्पणी भी है। मुमकिन है कि कुछ लोग आम सोच में अमेरिका की कायम एक असाधारण छवि के कारण वहां पढ़ने जाते हों। लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जिन्हें अपने बच्चों को विदेश में पढ़ाना ऊंचे करियर के लिए जरूरी महसूस होता है। फिर उनके मन में यह धारणा भी है कि विदेशों में करियर के जो अवसर उपलब्ध हैं, वे भारत में नहीं हैं।

देशवासियों के समृद्धि हिस्सों में ऐसी मौजूद धारणा किसी रूप में भारत के लिए गर्व की बात नहीं हो सकती। इस रुझान के कारण देश का जो धन विदेश जाता है, वह इस रुझान का एक अलग पहलू है। यहां ये बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि दुनिया में अनेक देश ऐसे हैं, जिनके लिए विदेशी छात्रों को अपने यहां आकर्षित करना उनकी अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू है। ये देश ऐसा इसलिए कर पाते हैं, क्योंकि उन्होंने अपने यहां शिक्षा की बेहतर व्यवस्था और ज्ञान का उपयुक्त वातावरण तैयार कर रखा है। लाखों भारतीय अगर ऐसी व्यवस्था और वातावरण से आकर्षित होते हैं, तो बेशक यह इस मोर्चे पर भारत की विफलता का सूचक है। हर वर्ष बाहर जाने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या इस विफलता के सघन होने की निशानी है। यह अपनी शिक्षा व्यवस्था में कमजोर होते भरोसे का संकेत है। गौरतलब है कि 2022-23 में अमेरिका गए भारतीय छात्रों की संख्या में 35 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज हुई।

प्रदूषण से ध्यान हटाने की केजरीवाल की रणनीति

दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार वायु प्रदूषण के मसले पर बुरी तरह से फेल रही है। हालात पहले से खराब हो गए हैं। कहा जा रहा है कि मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की। दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति यह है कि पिछले साल यानी 2022 में नवंबर महीने में सिर्फ तीन दिन हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में गई थी। इस साल आधे महीने में ही सात दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में पहुंच चुका है। चार दिन तो हवा इस वजह से साफ रही क्योंकि बारिश हो गई थी। अगर बारिश नहीं हुई होती तो सोचें, दिल्ली की क्या दशा होती। इस स्थिति से निपटने के लिए केजरीवाल सरकार के पास कोई योजना नहीं है। इसलिए किसी तरह से दिन काटने और ध्यान भटकाने की रणनीति पर काम हो रहा है।

ध्यान भटकाने की रणनीति के तहत केजरीवाल और उनकी सरकार ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। द्वारिका एक्सप्रेस वे की एक जमीन के मुआवजे के मामले विजिलेंस विभाग की मंत्री आतिशी ने कथित तौर पर जांच करा कर नरेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है। उनकी रिपोर्ट केजरीवाल ने उप राज्यपाल को भेजी है और उन्हें निलंबित करने की सिफारिश की है। उन्होंने यह रिपोर्ट सीबीआई और ईडी को भेजने का निर्देश आतिशी को दिया है। पूरी पार्टी और सरकार इस मामले को ऐसे उछाल रहे हैं, जैसे आज दिल्ली का सबसे बड़ा मुद्दा यही हो। जबकि इस मामले का दिल्ली के लोगों से कोई लेना-देना नहीं है। केजरीवाल के बंगले की जांच और अधिकारियों से झगड़े की वजह से यह मुद्दा उठाया गया है।

> मेरे कलाकार बनने की कड़ी भी इस पर्व से जुड़ी है। दरअसल, पारण (पर्व-समापन) की रात हमारे गांव में नाटक खेलने की परंपरा रही है। इसमें बाहर से कमाकर गांव आने वाले लोगों से चंदा लिया जाता था, ताकि मंच बन सके, लाइट-लाउडस्पीकर आदि लगाए जा सकें। मैं तब नौवीं-दसवीं में रहा होऊंगा, जब पहली बार नाटक में भाग लिया। अपने जीवन के शुरुआती दो नाटक मैंने घाट पर किए हैं। यहीं से मुझमें अभिनय का बीजारोपण हुआ।

छठ मतलब आस्था का उमड़ता सागर

पंकज त्रिपाठी, अभिनेता

छठ शब्द सुनते ही हृदय भर आता है। दशहरे से ही इसकी प्रतीक्षा, मां की तैयारियां, घर की साफ-सफाई और पवित्रता का खास ख्याल, पूरे गांव में पूजा-पाठ का माहौल, ठेकुआ का बनना, नए कपड़े सिलवाना, खेतों से गन्ने, अदरक, मूली, कच्चे केले, हल्दी, सुथनी आदि लाना, घाट सजाना- सब एक 'कोलाज' बनकर सामने आ खड़ा होता है।

मैं इस दिन अपने बचपन में लौट जाता हूं। हमारे घर से करीब 100 मीटर पीछे एक नदी है, जिसके किनारे हम छठ मनाया करते थे। अब तो खैर इसका पानी ठहर-सा गया है, मगर पहले यह निर्मल व प्रवाहित नदी होती थी। यह नदी जितनी जमीन पर बहती है, उससे अधिक मेरे अंदर, क्योंकि इसी में नहाना, तैरना, त्योहार मनाना- सब कुछ किया है मैंने। छठ के समय हम बच्चों की जिम्मेदारी यहां की साफ-सफाई और सजावट की होती थी। हम घाट पर उग आई घास या झाड़ियों को हटाते। सीढ़ियां बनाते, वहां तक पहुंचने वाले रास्ते की साफ-सफाई करते, किनारे में केले के पौधे लगाते, पूरी साज-सज्जा करते। बहुत आनंद आता था इसमें।

उन दिनों बाजार का यूं चलन नहीं था, तो छठ के सामान का आदान-प्रदान किया जाता था। हम अपने खेत के गन्ने अन्य छठव्रतियों में बांटा करते। मिठाई भी बमुश्किल बाजार से आती थी। घर में ही सब कुछ बनता था। इस त्योहार में पवित्रता का काफी ध्यान रखा जाता है, तो ठेकुआ, गुजिया जैसे प्रसाद व्रती या परिवार के सदस्य ही बनाते। छठ मूलतः प्रकृति का उत्सव है। इसमें प्रसाद भी वही होता है, जो प्रकृति ने फसल के रूप में हमें दी है। आराधना भी हम डूबते और उगते हुए सूर्य की करते हैं। पानी में खड़े होकर भगवान भास्कर को अर्घ्य देते समय हम उनको धन्यवाद देते हैं कि आपके होने से ही यह धरती चल रही है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति को सम्मान देने के यह अद्भुत जरिया बनाया है।

मेरे कलाकार बनने की कड़ी भी इस पर्व से जुड़ी है। दरअसल, पारण (पर्व-समापन) की रात हमारे गांव में नाटक खेलने की परंपरा रही है। इसमें बाहर से कमाकर गांव आने वाले लोगों से चंदा लिया जाता था, ताकि मंच बन सके, लाइट-लाउडस्पीकर आदि लगाए जा सकें। मैं तब नौवीं-दसवीं में रहा होऊंगा, जब पहली बार नाटक में भाग लिया। अपने जीवन के शुरुआती दो नाटक मैंने घाट पर किए हैं। यहीं से मुझमें अभिनय का बीजारोपण हुआ।

छठ से यादें सर्दियों की भी होती हैं। अब बेशक मौसम में उतार-चढ़ाव कुछ ज्यादा दिखने लगा है, पर छठ पर्व सर्दी के आने का आधिकारिक एलान होता। हम इसी दिन पहली बार जैकेट या स्वेटर पहनते थे। रजाइयां निकल आती थीं। यह मान लिया जाता था कि अब इनकी जरूरत पड़ेगी। इस पर्व से एक और दिलचस्प याद जुड़ी है। पहले रेडिमेड कपड़े नहीं खरीदे जाते, बल्कि थान से आठ-दस मीटर कपड़े कटवा लिए जाते थे, तो पता चलता कि छठ घाट पर परिवार के चार-पांच लोग एक ही छाप के कपड़े में हैं। भैया भी वही पहने हुए हैं, जो मैं पहने होता।

छठ में लोक-आस्था की खूबसूरती देखते ही बनती है। मेरी मां जब शाम को कोसी भरा करतीं, तो एक गीत गाती थीं- छठी मैया होईं न सहाय...। इसमें परिवार के सभी सदस्यों के नाम लेकर उनके मंगल की कामना की जाती। यहां तक कि जो लोग गांव नहीं आ पाते, उनके नाम भी गीतों में लिए जाते। यहां तक कि जिनसे अनबन होती, उनके भी। इन गीतों में यही प्रार्थना की जाती है कि छठी मैया, अपनी कृपा सब पर बनाए रखें। छठ घाट पर भी कोई किसी की मदद करने को तैयार रहता। मैंने तो गांव में मुस्लिम व्रती भी देखे हैं।

इस साल यह पहला मौका है, जब मेरे पिताजी साथ नहीं हैं। पिछले दिनों उनका निधन हो गया, पर लगता है कि वह आसपास ही कहीं हैं। मां ने तो दो-तीन वर्षों से छठ करना बंद कर दिया है, लेकिन पटना में मेरी भाभी यह करती हैं। अगर इस बार शूटिंग की व्यस्तता न होती, तो मैं जरूर इसमें शामिल होना चाहता। मैं वे सारे काम करना चाहता हूं, जो पहले किया करता था। हालांकि, अब तो यह त्योहार हर जगह मनाया जाने लगा है। इसकी एक बड़ी वजह लोगों का अपने गृह-राज्य से बाहर निकलना भी है। पूर्वांचल के जिन हिस्सों में छठ होता है, वहां से विस्थापन काफी ज्यादा हुआ है। पिछले साल छठ पर मैं मुंबई के जुहू तट पर था। वहां उमड़ी लाखों की भीड़ यह बता रही थी कि लोग जब विस्थापित होते हैं, तो वे अपनी सांस्कृतिक धरोहर भी साथ लेकर आते हैं। ब्रिटेन, अमेरिका तक यह पर्व पहुंच गया है, जबकि गांव में इस मौके पर एक-दूसरे से मिलना-जुलना हो जाता था। सभी एक-दूसरे की खबर लेते थे। अब तो छठ काफी कुछ डिजिटल भी हो गया है। इसके वीडियो, गाने सोशल मीडिया मंचों पर खूब दिखने लगे हैं। हालांकि, उत्साह में आज भी कोई कमी नहीं आई है।

एक बदलाव जरूर यह आया है कि अब लोग घर में ही इसे मनाने लगे हैं। छतों पर या आंगन में कुंड बनाकर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। यह समय का बदलाव है। जैसे-जैसे हमारा समाज छोटा होता जाएगा, हम 'एकल परिवार' में बदलते जाएंगे, घर में ही पानी के स्रोत ढूंढे जाने लगेंगे। चूंकि पोखर और तालाब अब खत्म हो रहे हैं, तो कृत्रिम कुंडों पर ही हमें भरोसा करना होगा। हालांकि, इसमें आस्था की कमी का सवाल नहीं है। अब पटना के घाट को ही देखिए। वहां गंगा-किनारे छठ मनाने वालों की इतनी भीड़ हो जाती है कि डाला रखने तक की जगह नहीं मिलती। गंगा के मैदानी इलाके वैसे भी काफी घनी आबादी वाले हैं। तो, इस भीड़ से बचने के लिए भी लोग घरों में करते हैं। महानगरों में तो स्वीमिंग पुल में भी छठ पर्व मनाया जाने लगा है।

देखा जाए, तो इसी में हमारे लिए संदेश भी छिपा है। छठ प्रकृति और मनुष्य के संबंध का त्योहार है। लिहाजा, हम जितनी आस्था छठ पर रखते हैं, उतनी ही आस्था जल-स्रोतों में भी रखनी चाहिए। हम यदि नदी किनारे जा रहे हैं, तो उसमें कचरा डालकर न आ जाएं। हमें प्रकृति की कद्र करनी होगी। यह समझना होगा कि उसी से हमारा अस्तित्व है। छठ के मौके पर हम नदियों को जितना साफरखते हैं, बाकी दिन भी अपने पोखर-तालाब, ताल-तलैया, चौर-चांचर के प्रति हमें श्रद्धा रखनी होगी। तभी छठ मनाने का असली आनंद है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अमेरिका पढ़ने जाने में हम भारतीय सबसे आगे

हरिवंश चतुर्वेदी, डायरेक्टर, बिमटेक

अमेरिका पढ़ने जाने वाले भारतीयों में सबसे पहले पंडिता रमाबाई और आनंदी बाई जोशी का नाम आता है। आनंदी बाई जोशी ने 1886 में वहां से मेडिकल की पढ़ाई पूरी की थी। पिछली सदी की शुरुआत में भारत से जो छात्र पढ़ने गए, उन्होंने ज्यादातर कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के बर्कले कैंपस में पढ़ाई की। डॉक्टर भीमराव आंबेडकर भी वहां पढ़ने गए थे और लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भी बीए, एमए की पढ़ाई वहां से की थी। वैसे अमेरिका पढ़ने गए भारतीयों की संख्या कम थी।

जब 1965 में अमेरिका ने अपने नियम उदार किए, तब भारतीयों का वहां जाना आसान हुआ। हालांकि, 21वीं सदी की शुरुआत में ही अमेरिका जाने वाले भारतीयों की लहर सी आई। जब भारतीय आईटी कंपनियों को अमेरिका में काम मिलने लगा और वहां पर आईटी पेशेवरों की कमी होने लगी, तब पढ़ाई और नौकरी के लिए अमेरिका जाने वालों की तादाद तेजी से बढ़ी। यूनेस्को के अनुसार, साल 2021 में पांच लाख आठ हजार छात्र अमेरिका में पढ़ रहे थे। अमेरिका जाने वाले कुल छात्रों की संख्या में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। अब भारतीय छात्र अमेरिका पढ़ने जाने वालों में अव्वल स्थान पर आ गए हैं और चीन अब दूसरे स्थान पर आ गया है।

ऐसा होने के तीन प्रमुख कारण हैं। एक यह कि पढ़ाई करते हुए अमेरिका में छात्रों को महीने में बीस घंटे काम करने की मंजूरी है। इससे बहुत से छात्र अपना कुछ खर्च निकाल लेते हैं। दूसरा कारण, भारतीय छात्र मेधावी हैं और विज्ञान, गणित, टेक्नोलॉजी में वे दूसरे देशों के छात्रों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। तीसरा कारण, अमेरिका में औसतन 150 देशों के छात्र पढ़ते हैं, तो वहां पढ़ने से अनेक देशों के छात्रों में संवाद होता है। नए विचार मिलते हैं और एक छात्र का वैश्विक नेटवर्क तैयार होता है, संभावनाएं बढ़ती हैं। और भी कारण हैं। जैसे, भारत-

अमेरिका संबंध सुधरे हैं। पिछली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान 52 समझौते हुए थे, जिनमें उच्च शिक्षा संबंधी एमओयू भी शामिल था, इससे भी पिछले साल भारत से अमेरिका जाने वालों की संख्या बढ़ी है।

अब चीन से अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या कम हो रही है। 15 साल तक चीन पहले स्थान पर रहा है और पिछले साल भारत पहले स्थान पर आ गया है। चीन से करीब 1.26 लाख छात्र स्नातक पाठ्यक्रम के लिए अमेरिका गए, जबकि भारत से करीब 1.68 लाख।

अब सवाल उठता है कि क्या इतनी बड़ी संख्या में भारतीय छात्रों के अमेरिका जाने से भारत को नुकसान नहीं है? इस मद में करीब छह अरब डॉलर सिर्फ शिक्षा शुल्क के रूप में हर साल भारत से अमेरिका जा रहा है। जितने छात्र वहां पढ़ रहे हैं, उनका कुल खर्च 28 अरब डॉलर सालाना है। इसके अलावा योग्य छात्र वहां पढ़ने जा रहे हैं और उनमें से करीब 70 से 80 प्रतिशत छात्र वहीं बस जाएंगे। मतलब भारत की प्रतिभा भी गई और पैसा भी। इसका दूसरा पहलू भी है कि भारतीय मूल के लोग अमेरिका जाकर अच्छा काम करेंगे, तो भारत की साख बढ़ेगी। आज अनेक बड़ी कंपनियां हैं, जिनकी बागडोर भारतीयों के हाथों में है। एक धारणा यह बनी है कि भारत बुद्धिमान लोगों का देश है। इसके अलावा एक अपेक्षा यह भी है कि भारतीय लोग अमेरिका में पैसे कमाएंगे, तो भारत भी भेजेंगे, इससे भी देश की ताकत बढ़ेगी। ध्यान रहे भारतीयों द्वारा पढ़ने और रहने के लिए अमेरिका में जो 28 अरब डॉलर खर्च हो रहे हैं, वह भारत के शिक्षा बजट से बहुत ज्यादा है। अगर भारत में ही अच्छी शिक्षा मिले, तो बड़ी संख्या में छात्रों का विदेश जाना रुकेगा। फिलहाल तो उच्चवर्गीय परिवारों में विदेश जाकर पढ़ना फैशन बन गया है। हैदराबाद में तो बाकायदा एक देवता हैं, जहां जाकर लोग वीजा के लिए उनकी पूजा करते हैं।

भारतीय छात्रों को विदेश आमंत्रित करने वाली पूरी व्यवस्था देश के अनेक शहरों में स्थापित हो चुकी है। यहां से समाधान आसान नहीं है, पर समग्रता में प्रयास जरूर करने चाहिए, ताकि हम अपने देश की प्रतिभा और धन, दोनों को ज्यादा से ज्यादा मात्रा में यहीं रोक सकें। भारत में भी उच्च-स्तरीय शिक्षा को सुलभ बनाने के तमाम प्रयास होने चाहिए और इसके लिए सबसे पहले शिक्षा का बजट बढ़ना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

देश में दलबदल नहीं रुकने वाला!

अजीत द्विवेदी

पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। इन सभी राज्यों के उम्मीदवारों की सूची देखने पर बहुत दिलचस्प तस्वीर उभर कर आती है। चाहे देश की सबसे पुरानी पार्टी हो या दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी हो या सबसे कम समय में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने वाली पार्टी हो या बहुजन की पार्टी हो सबने खुले दिल से दलबदल करने वालों को टिकट दी है। कई उम्मीदवार तो ऐसे हैं, जिनको अपनी पार्टी छोड़ने के 24 घंटे के अंदर दूसरी पार्टी से टिकट मिल गई। एक पार्टी से कई कई बार विधायक रहे बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ी और दूसरी पार्टी ने उनके हाथों हाथ लिया। कई नेताओं ने दूसरी पार्टी से टिकट की गारंटी लेने के बाद ही अपनी पार्टी छोड़ी। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ इस बार पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दिख रहा है। इसी साल मई में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा के दिग्गज नेताओं ने पार्टी छोड़ी और कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़े।

भारत में इस समय दो किस्म से दलबदल हो रहे हैं। पहला चुनाव के समय टिकट हासिल करने के लिए और दूसरा चुनाव के बाद किसी समय सरकार बनाने के लिए। अगर अपनी पार्टी टिकट नहीं दे रही है तो दलबदल करके दूसरी पार्टी से टिकट ले लेना है ताकि चुनाव लड़ सकें। इस तरह राजनीति करने का अंतिम मकसद चुनाव लड़ना हो गया है। किसी कीमत पर चुनाव लड़ना है। अगर चुनाव नहीं लड़े तो राजनीति में होने का कोई मतलब नहीं है। इसके बाद दूसरा सबसे बड़ा मकसद चुनाव जीतने के बाद सरकार में शामिल होना है।

अगर सरकार में शामिल नहीं हुए तब विधायक बनने का कोई मतलब नहीं है। तभी चुनाव से पहले और चुनाव के बाद खूब दलबदल हो रहे हैं। पिछले तीन साल में महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में जो राजनीतिक खेल हुआ वह इस किस्म के दलबदल की मिसाल है।

राजनीति करने वालों की इस मानसिकता का राजनीतिक दल खूब दोहन कर रहे हैं। वे दलबदल करने पर उनको टिकट देने का वादा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मंत्री या मुख्यमंत्री बनाने का वादा करते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने दलबदल करने वाले इतने लोगों को मुख्यमंत्री बनाया है कि लोग गिनती भूल जाएं। शिव सेना से अलग होने वाले एकनाथ शिंदे, कांग्रेस छोड़ने वाले हिमंत बिस्वा सरमा, मानिक साहा, पेमा खांडू आदि की मिसाल है। कर्नाटक में भी भाजपा ने कांग्रेस के पूर्व नेता बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया था। सो, दो बातें स्पष्ट हैं। पहली बात तो यह कि राजनीति करने का मतलब है चुनाव लड़ना और चुनाव जीतने का मतलब है सरकार में शामिल होना।

इस बात को एनसीपी के नेता अजित पवार ने एक सैद्धांतिक रूप दिया है। उन्होंने जब अपने चाचा की बनाई पार्टी एनसीपी तोड़ी और भाजपा के साथ जाकर सरकार में शामिल हुए तो इसे जस्टिफाई करते हुए कहा कि विकास करने के लिए जरूरी है कि सरकार में रहा जाए। उन्होंने सत्ता की अपनी लालसा को राज्य के विकास से जोड़ दिया। सोचें, अजित पवार 1999 से लेकर 2014 तक लगातार 15 साल सत्ता में रहे। फिर नवंबर 2019 से जून 2022 तक लगभग ढाई साल सत्ता में रहे। इसके बाद भी महाराष्ट्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ऐसी है कि उनसे एक साल भी सत्ता से बाहर नहीं रहा गया। वे जिस पार्टी के नेता के तौर पर साढ़े 17 साल सत्ता में रहे थे और राज्य का विकास कर रहे थे उसे छोड़ कर विरोधी गठबंधन में चले गए और राज्य के उप मुख्यमंत्री बन गए। तभी वे चाहे कुछ भी कहें किसी को इस बात पर यकीन नहीं होगा कि वे महाराष्ट्र का विकास करने के लिए दलबदल करके सरकार में शामिल हुए हैं। असली कारण सबको पता है। उन्होंने दलबदल को एक वैचारिक जामा पहनाने की कोशिश की है। लेकिन असल में यह एक झीना सा परदा है, जिसके आर-पार सबको सब कुछ दिख रहा है।

सोचें, क्या इस बात पर यकीन किया जा सकता है कि कोई नेता अगर विपक्ष में चला जाए तो उस राज्य का विकास नहीं हो सकता है? या कोई नेता एक बार विधायक न बने तो राज्य और वहां की जनता का विकास अवरुद्ध हो जाएगा? लेकिन नेता इन तर्कों से दलबदल करके दूसरी पार्टी से चुनाव लड़ने और चुनाव जीत जाने के बाद दूसरी पार्टी के साथ जाकर सरकार बनाने के अनैतिक कृत्य को न्यायसंगत ठहराते हैं। अगर नेताओं को ऐसा करने में दिक्कत नहीं है तो पार्टियों को भी कोई परेशानी नहीं है। उनके लिए वैचारिक प्रतिबद्धता, पार्टी के प्रति निष्ठा, ईमानदारी आदि का कोई मतलब नहीं रह गया है। उनके लिए एकमात्र जरूरी पैमाना यह है कि कोई नेता चुनाव जीत सकता है या नहीं या कोई जीता हुआ नेता सरकार बनाने के काम आ सकता है या नहीं। पार्टियां चुनाव के समय टिकट देने के लिए मजबूत और साधन सम्पन्न नेताओं की तलाश करती हैं। फिर इसका कोई मतलब नहीं रह जाता है कि वह अपनी पार्टी का है या दूसरी पार्टी का या किसी पार्टी का नहीं है।

असल में अब राजनीति जनता की सेवा करने, समाज को बेहतर बनाने या प्रदेश और देश का विकास करने का माध्यम नहीं है। अब राजनीति वैचारिक प्रतिबद्धता की चीज भी नहीं है। राजनीति सत्ता हासिल करने और अपनी निजी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने का माध्यम बन गई है। देश के राजनीतिक हालात को देखते हुए यह भी साफ दिख रहा है कि कोई भी नेता लम्बे समय तक सत्ता से दूर नहीं रह सकता है और न पार्टियां लम्बे समय तक सत्ता से दूर रहना अफोर्ड कर सकती हैं। जिन संवैधानिक संस्थाओं के ऊपर राजनीति की शुचिता बरकरार रखने की जिम्मेदारी है वे भी दुर्भाग्य से सत्ता के खेल का हिस्सा बन गई हैं।

विधानसभाओं के स्पीकर दलबदल करने वाले नेताओं की अयोग्यता का मामला महीनों या बरसों लटकाए रखते हैं। एक चुनाव से बाद दूसरा चुनाव आ जाता है और तब तक फैसला नहीं होता है। सर्वोच्च अदालत को इस बारे में समय सीमा तय करनी होती है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

सेल्फी जोन बना मतदाताओं के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र

सारंगढ़ । जिले के सारंगढ़ और बिलाईगढ़ विधानसभा में कुल 24 आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों में विशेष तौर पर सजावट की गई है।सेल्फी पॉइंट पर लोग मतदान देकर युवाओं से लेकर बुजुर्ग सभी सेल्फी जोन में अपनी तस्वीर कैद कर रहे हैं और इस बार किए गये मतदान को यादगार बना रहे हैं। कई आदर्श मतदान केंद्रों को फूल माला से सजाया गया है जो लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। इसी तरह यहां मतदाता मित्र भी वरिष्ठजनों का और दिव्यांग मतदाताओं का भरपूर सहयोग कर रहे हैं। कई स्थानों पर तिलक और आरती लगाकर भी मतदाताओं का स्वागत किया जा रहा है।

स्कूल नेशनलः छत्तीसगढ़ की फेंसिंग टीम जम्मू रवाना

रायपुर। स्कूल नेशनल चैम्पियनशिप के लिए छत्तीसगढ़ की फेंसिंग टीम शुक्रवार को जम्मू रवाना हुई। 20 से 24 नवंबर तक अंडर-19 बालक-बालिका कैटेगरी में होने जा रहे टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी फॉयल, एपी और सेबर इवेंट में भाग लेंगे। टीम: बालक: उत्सव ईश्वनी, आयुष नेताम, हिमेश साहू, साहिल साहू, धनराज बरमाल, भव्यराज, जनार्दन साहू, ऋषभ गुप्ता, मोनेन्द्र साहू, हिमांशु सिंह पोटाई, मयंक कोरे, अनुज चौहान। बालिका: युक्ति दुबे, ,अंजली साहू, पायल बंजारे, माया साहू, तुलसी मानिकपुरी, दिव्या, सोनम लोधी, छाया चन्द्रवंशी, चंचल लोधी, आंचल, नूपुर वर्मा और मंजू रजवाड़े।

केवल मालवाहक डायवर्ट, केशकाल घाट से गुजरेंगी यात्री बसें और कारें

रायपुर। जर्जर हो चुकी केशकाल घाट में 16 करोड़ की लागत से पैचवर्क और मरम्मत कार्य किया जाना है। यह काम 18 से 30 नवंबर तक चलेगा। काम चलने के दौरान ही भारी वाहनों के चलने से पैचवर्क की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ता है और सड़क जल्दी उखड़ जाती है। यही कारण है विभाग ने पैचवर्क के दौरान ट्रक और अन्य मालवाहकों का केशकाल घाट से आवागमन बंद कराने का निर्णय लिया है। यात्री बसें और कार, बाइकों का केशकाल घाट से आवागमन सामान्य दिनों की तरह जारी रहेगा। सोशल मीडिया में पोस्ट वायरल हो रही है कि 18 से 30 नवंबर तक केशकाल घाट में वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा। भास्कर ने इन वायरल पोस्ट की पड़ताल की तो पता चला सभी वाहन नहीं बल्कि केवल ट्रकें, हाइवा और अन्य मालवाहकों का केशकाल घाट से आवागमन बंद रहेगा। यात्री बसें, कारें तथा बाइकें केशकाल घाट से होकर गुजर सकेंगी। जगदलपुर-रायपुर नेशनल हाईवे प्रमुख मार्ग है। इस मार्ग पर केशकाल घाट की सड़क कंडम होने के कारण आए दिन जाम लगता है। वर्तमान में सड़क पूरी तरह कंडम हो चुकी है। इससे आवागमन बेहद कठिन हो चुका है। विभाग ने घाट की 4 किमी सड़क का पैचवर्क कराने 16 करोड़ का वर्कऑर्डर एमआर कंस्ट्रक्शन को जारी किया था। केशकाल घाट के आठवें मोड़ में शुक्रवार दोपहर एक बड़ी ट्रेलर खराब हो गई। वहीं करीब से मुड़ते वक्त विपरीत दिशा से आ रही एक भारी भरकम ट्रक भी उसी स्थान पर आकर फंस गई। जिसके कारण सड़क पूरी तरह से जाम हो गई। ऐसे में शुक्रवार दोपहर से देर रात तक तक घाट मे रुक रुक कर जाम लगा रहा। जिसके कारण गाड़ियों की लंबी कतार शहरों तक टिक गई। एसडीओपी भूपत सिंह धनेश्री अपने पुलिस टीम के साथ वनवे कर आवागमन बहाल करने में जुटी हुई थी।

मतगणना के लिए सभी अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश अनुरूप करें कार्य : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डोमन सिंह ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विधानसभा निर्वाचन 2023 मतगणना कार्य की तैयारी के संबंध में नोडल अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि मतगणना कार्य रविवार 3 दिसम्बर 2023 को सुबह 8 बजे से छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन बसंतपुर कैम्पस राजनांदगांव स्थित मतगणना केन्द्र में किया जाएगा।

मतगणना कार्य के लिए सभी अधिकारी अच्छी तरह प्रशिक्षण प्राप्त करें तथा नियम एवं प्रावधानों से अवगत रहें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों, निर्वाचन अभिकर्ता एवं मतगणना दल को भी प्रशिक्षण प्रदान करें। उन्होंने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को ड्यूटी पास जारी करने के निर्देश दिए तथा कानून व्यवस्था के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने मतगणना स्थल में पेयजल, भोजन, साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गणना सुपरवाईजर एवं गणना सहायक का टेबलवार दल गठन करें। टेबुलेशन, सिलिंग कार्य के लिए प्रशिक्षण देने कहा। कलेक्टर ने वैधानिक प्रावधान, भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश, सुरक्षा व्यवस्था, डाक मतपत्रों की गणना, ईव्हीएम में दर्ज मतों की गणना, मतगणना पूर्ण होने के पश्चात ईव्हीएम और निर्वाचन सामग्री को सील करने तथा परिणामों की घोषणा के संबंध में विस्तृत निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना के महत्वपूर्ण कार्य में सभी अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश अनुरूप कार्य करेंगे।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मतगणना स्थल में इंटरनेट कनेक्टिविटी, फोटोकापी मशीन, सीसीटीवी कैमरा, वीडियोग्राफी, माईक की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने पोस्टल बैलेट की गणना के लिए आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि विजय जुलूस में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मजिस्ट्रेट की ड्यूटी रहेगी। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग, मीडिया सेंटर के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। डाक मतपत्रों एवं ईटीपीबीएस की गणना हेतु प्रिंटर, स्कैनर एवं सिलिंग कार्य हेतु आवश्यक सामग्री रखें। मतगणना केन्द्र में मतगणना हाल में टेबल, चेयर एवं अन्य पर्याप्त सुविधाएं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी मतगणना केन्द्रों में सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कार्य करेंगे। मतगणना दल का विधानसभावार, टेबलवार गठन, रेंडमाईजेशन, डी-कोड की व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। विद्युत की सप्लाई अबाधित रहनी चाहिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार, अपर कलेक्टर इंदिरा नवीन प्रताप सिंह तोमर, एसडीएम राजनांदगांव अरूण वर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी खेमलाल वर्मा, एसडीएम डोंगरगढ़ गिरिश रामटेके, एसडीएम डोंगरगांव अश्वन पुसाम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वोटिंग के बाद वापस लौटे कर्मचारी कलेक्टर भूरे ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान कल संपन्न हो गया। इसके बाद सभी मतदान कर्मी ईवीएम मशीन को सील कर वापस जाने की तैयारी में जुट गए। सभी मतदान केंद्रों में शांतिपूर्ण व अच्छे माहौल में निपटने के बाद कलेक्टर ने मतदाता दलों का आभार व्यक्त किया।

बता दें कि, कल 17 नवम्बर को प्रदेश के 70 विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे चरण में मतदान था।

गरिएबंद में नक्सली हमले के बाद भी मतदान कर्मियों ने पूर्णतः सुरक्षा बरती। इसके लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आकाश छिकारा ने सफलतापूर्वक मतदान संपन्न कराने के लिए मतदान दलों का जताया आभार। इधर बिलासपुर में चुनाव संपन्न कराने के बाद जिले के सभी मतदान दलों की हो रही है सकुशल वापसी, कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने मतदान दलों से बातचीत कर ली जानकारी।

जिले के 540 मतदान केंद्रों पर की गई लाइव वेबकास्टिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। विधानसभा सामान्य निर्वाचन- 2023 को लेकर महासमुंद ज़िले की चारो विधानसभा क्षेत्र महासमुंद-42, खल्लारी-41, बसना-40 व सरायपाली-39 में मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए इस बार ज़िले में 540 मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग की जा रही है।

विधानसभा क्षेत्र महासमुंद के 126 मतदान केंद्रों, खल्लारी के 136, बसना के 143 एवं सरायपाली के 133 मतदान केन्द्रों की लाइव वेबकास्टिंग की गयी है। वेबकास्टिंग की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नियंत्रण कक्ष से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। नोडल अधिकारी संयुक्त कलेक्टर श्री एस.के. टंडन और सहायक नोडल अधिकारी भूपेन्द्र अंबिलकर के मार्गदर्शन में नियंत्रण कक्ष में सतत नज़र रखे हुए है। उनके साथ 4-4 कर्मचारी, माइक्रो ऑब्जर्वर, तकनीकी व आईटी कुल 16 कर्मचारी मौजूद है। कैमरे बूथ उन स्थानों पर चिन्हित किए गए हैं। जहां नेटवर्किंग की व्यवस्था है। लाइव प्रसारण की जिम्मेदारी आईटी विभाग कर रहा है। इन बूथों पर तीन स्तर पर निगरानी की व्यवस्था हो रही है। विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और रायपुर में राज्य निर्वाचन आयोग इन बूथों पर मतदान प्रक्रिया को लाइव देख रहे है। सहायक नोडल अधिकारी श्री अंबिलकर ने बताया कि चारो विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न मतदान केंद्रों की कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी के लिए व्यवस्थाएं की गई है।

आदर्श एवं संगवारी मतदान केंद्र बने विशेष आकर्षण का केंद्र

नवयुवक, बुज़ुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं के साथ-साथ नवदम्पत्ति तथा बहु, पोता-पोतियों के संग एक साथ किया मतदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद जिला प्रशासन द्वारा मतदान केंद्र में मतदाताओं को आवश्यक सुविधा एवं परिवेश उपलब्ध कराने हेतु स्थापित किए गए आदर्श मतदान केंद्र एवं संगवारी मतदान केंद्र मतदाताओं एवं आम लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उल्लेखनीय है कि आदर्श मतदान केंद्रों में अपने नन्हें-मुन्हें बच्चों के साथ आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाले शिशुवती महिलाओं के बच्चों की देखरेख की सुविधा के लिए अस्थाई आंगनबाड़ी केंद्रों भी स्थापित किया गया था।

इन आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के मनोरंजन, विश्राम, गर्म भोजन, नाश्ता, पेयजल आदि की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अस्थाई आंगनबाड़ी केंद्रों में अपने बच्चों के साथ आने वाले महिलाओं ने बालोद जिला प्रशासन की इस नवाचार की सराहना की है। इसी तरह आदर्श मतदान केंद्रों में आकर्षक साज-सज्जा के साथ-साथ मतदाताओं के बैठने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले फर्नीचर, रैम्प, दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हील चेयर, टेंट, शुद्ध पेयजल आदि की व्यवस्था के अलावा मतदाताओं की सहायता के लिए बूथ लेवल अधिकारियों की तैनातगी की गई है। विदित हो कि आदर्श मतदान केंद्र क्रमांक 79 झलमला में तांदुला जलाशय के थीम पर मतदान केंद्र का साज-सज्जा किया गया। इसी तरह संगवारी मतदान केंद्र सिकोसा में छत्तीसगढ़ी एवं ग्रामीण संस्कृति पर थीम पर आधारित बेहतरीन साज-सज्जा की गई है। इसके साथ ही इको ग्रीन आदर्श मतदान केंद्र उत्तर लाटाबोड़ भी लोगों के लिए खासा आकर्षण का केंद्र रहा।

आज हुए मतदान में 18 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद पहली बार मतदान कर रहे युवा मतदाताओं के अलावा 80 वर्ष एवं उससे अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाताओं ने अपने बेटा-बहु, पोता-पोती एवं परपोतियों के साथ एवं दिव्यांग मतदाताओं के साथ-साथ नवदम्पत्ति तथा बहु, पोता-पोतियों के संग एक साथ किया मतदान किया। इसके अंतर्गत आज विधानसभा क्षेत्र गुण्डरदेही के मतदान केंद्र कोसागोंदी में आज एक ही परिवार के तीन पीढ़ियों ने एक साथ मतदान किया। जिसमें 77 वर्षीय बुजुर्ग जयंत गुरू ने अपने 48 वर्षीय पुत्र तंजु कुमार एवं 20 वर्षीय नाती अमित कुमार के साथ मतदान केंद्र में पहुँचकर मतदान किया। इसी तरह गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र पेंड्री में 105 वर्षीय बुजुर्ग महिला श्रीमती हेमीन बाई ने मतदान केंद्र में पहुँचकर मतदान किया। इसी तरह जिला मुख्यालय बालोद के मतदान केंद्र 38 में नवविवाहिता जोड़े श्री रज्जाक खान ने अपनी नवविवाहिता धर्मपत्नी श्रीमती प्रीति के साथ सर्वप्रथम मतदान केंद्र में उपस्थित होकर मतदान किया।

विशेष पिछड़ी जनजाति की महिला और पुरुष मतदाताओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले में कमार एवं भुंजिया जनजाति के लोग सदियों से जंगलों में निवास कर अपना जीवन यापन कर रहे है। इस जनजाति का आर्थिक व सामाजिक विकास पहले से अब अच्छा हो रहा है। कमार और भुंजिया जनजाति सीधा सरल तरीके से जीवनयापन करते हैं। ये जनजाति तीर धनुष के साथ रहते हैं। यह जनजाति की विशेष पहचान हैं। आज इन जनजाति के मतदाताओं ने लोकतंत्र के महापर्व में अपने मताधिकार का उत्साहपूर्वक प्रयोग किया।

पिछड़ी जनजाति समुदाय के मतदाता आज लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान देकर खुद की भागीदारी सुनिश्चित कर रहे है। लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि है। इस भागीदारी के बदौलत स्वस्थ लोकतंत्र का निर्माण होता है। इसको ध्यान में रखकर अन्य समुदाय के मतदाताओं की तरह भी आज वे अपने अपने घरों से निकल कर मतदान करने पहुंचे। विशेष पिछड़ी जनजाति के मतदाताओं में मतदान को लेकर काफी उत्साह देखा गया।उनके लिए जिला प्रशासन द्वारा आदर्श (विशेष पिछड़ी जनजाति) मतदान केन्द्र बनाया गया था, जहां वे लोग अपना मताधिकार का प्रयोग करते हुए अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित किया।गरियाबंद जिले के ग्राम मौहाभाठा निवासी रामभरोसा भुंजिया ने तीर धनुष के साथ मतदान करने पहुंचे थे। मतदान करने के उपरांत अपने बाएं हाथ की तर्जनी ऊंगली दिखाकर कहा कि मैंने तो चुनई तिहार में अपने मत का प्रयोग कर लिया है।आप भी अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। इसी तरह पारागांव आदर्श मतदान केन्द्र में छत्तीसगढ़ के विशेष पिछड़ी जनजाति, भुंजिया जनजाति के रसोई घर लाल बंगला के थीम पर मतदान केन्द्र विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। जहां विशेष पिछड़ी जनजाति के मतदाताओं सहित अन्य मतदाताओं ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग बढ़ - चढ़कर किया और मतदान पश्चात वहां बनाएं गए सेल्फी जोन में तर्जनी उंगली दिखाते हुए फोटो खिंचवाए जो उनके आत्मविश्वास का प्रतीक है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

छठः अपर आयुक्त पाटले बनाए गए नोडल अधिकारी

रायपुर (ए)। राजधानी में छठ घाटों और तालाबों की प्रशासनिक व्यवस्था देखने के लिए नगर निगम के अपर आयुक्त शैलेन्द्र पाटले को नोडल अधिकारी बनाया गया है। नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

निगम के सभी जोन कमिश्नर, उपायुक्त स्वास्थ्य और जल व विद्युत कार्यपालन अभियन्ता महादेवघाट सहित शहर के विभिन्न तालाबों में घाटों की सफाई, पेयजल टैंकरों और प्रकाश व्यवस्था कराएंगे। निगम ने महादेव घाट, व्यास तालाब, गुढ़ियारी तालाब, हीरापुर के छुईयां तालाब, सड्डू तालाब आदि छठ घाटों पर व्रतियों को छठ के दौरान चुनाव आचार संहिता का पालन करने को कहा है।

खाटूश्याम मंदिर में लगा 56 भोग पंगत में बैठ लोगों ने लिया प्रसाद

रायपुर (ए)। समता कॉलोनी स्थित श्रीखाटूश्याम मंदिर में अन्नकूट का भोग लगाया गया। श्याम बाबा को 56 भोग लगाकर अन्नकूट तैयार किया गया। वहां दर्शन के लिए मंदिरों में दिन भर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

श्रद्धालुओं ने मंदिरों में भजन-कीर्तन किया। श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान मंदिर में श्याम बाबा का फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया। श्री श्याम परिवार मित्र मंडल द्वारा शाम 07:30 बजे अन्नकूट प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ ने मांगी पेंशन और ग्रेच्युटी

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ ने 100 फीसदी शासकीय अनुदान प्राप्त विद्यालयों के शिक्षक कर्मचारियों के लिए पेंशन और ग्रेच्युटी की मांग की है। संघ के प्रांताध्यक्ष अशोक शर्मा इस मामले में शासन ने जल्द से जल्द कार्रवाई किए जाने की मांग की है। संघ का कहना है कि पड़ोसी राज्यों में विद्यालयों के शिक्षक कर्मचारियों को पेंशन और ग्रेच्युटी दी जा रही है। इस जल्द ध्यान देकर शिक्षक कर्मचारियों की तरह पेंशन और ग्रेच्युटी दी जाए।

भगवान महावीर ने क्षमा को बताया सबसे श्रेष्ठ

रायपुर (ए)। उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि ने कहा कि भगवान महावीर ने क्षमा को सबसे बड़ा बताया है। क्षमा वही कर सकता है जो त्रस है, स्थावर क्षमा नहीं कर सकता है। और जो क्षमा नहीं कर सकता वो स्थावर हो जाता है।

अगर किसी से गलती हो जाए तो हमारे पास दो विकल्प रहते हैं, एक उसकी गलती को सुधारना और दूसरा दंड। क्या दंड देने वाला सामने वाले की वेदना को महसूस कर सकता है? किसी के दर्द को महसूस करने वाला दण्डित कर सकता है क्या? अगर वह वेदना को महसूस नहीं कर सकता है तो वह स्थावर है।

परिणाम तभी बदलेंगे जब हम नया रास्ता चुनेंगेः प्रवीण ऋषि

रायपुर (ए)। उपाध्याय प्रवर ने कहा कि जंबूस्वामी ने जो भगवान महावीर को लेकर पूछा, उसका जवाब देते हुए सुधर्मा स्वामी ने कहा कि तुम्हे यदि परमात्मा के ज्ञान, दर्शन शील को जानना है तो पहले उनके धर्म को जानो। परमात्मा का धर्म कैसा है? कैसा जन्मा है? जिंदगी में जब भी कोई निर्णय करना हो तो उस समय भूतिप्रज्ञ बनकर निर्णय कीजिये। सुधर्मा स्वामी न तो विवेक की बात कर रहे हैं, न करुणा की। प्रायः हम जिंदगी में इसलिए पछताते हैं कि हमारी प्रज्ञा निर्णय करते समय भूतिप्रज्ञ नहीं होती। भूति मतलब ऐश्वर्य, विभूति। समृद्धि, कल्याण और सुरक्षा ये तीन आधार बनाकर निर्णय लोगे तो जिंदगी में कभी पछताने का मौका नहीं मिलेगा। उक्ताशय की जानकारी रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने दी।

शुक्रवार को पुच्छिंसुणं (वीर स्तुति) आराधना के तीसरे दिवस उपाध्याय प्रवर ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभु महावीर का आचार स्ट्रक्चर में नहीं है और सिस्टम में केवल पशु जीते हैं। जानवर के बारे ने आप कह सकते हैं कि यह क्या करेगा, लेकिन मनुष्य के बारे में हम नहीं कह सकते। जानवर प्रेडिक्टेबल होते हैं और मनुष्य अनप्रेडिक्टेबल। और तीर्थंकर तो एक्सट्रीम अनप्रेडिक्टेबल हैं। तुम्हे पता रहता है कि कुत्ते को रोटी डालोगे तो वह दुम हिलायेगा, ये प्रेडिक्टेबल है। जानवर एक पैटर्न या नियम का अनुसरण करता है। मनुष्य नियम को तोड़कर उससे बाहर निकलता है। लेकिन उसका इरादा क्या है, इससे तय होता है कि नियम टूटना चाहिए कि नहीं। एक गुंडा भी नियम तोड़ता है, और तीर्थंकर भी नियम तोड़ते हैं, लेकिन उस नियम को तोड़ने का कारण क्या है? अगर कल्याण, समृद्धि उद्देश्य है तो नियम महत्वपूर्ण नहीं हैं। जिनके पास प्रज्ञा नहीं है उन्हें अपने कल्याण के लिए नियमों का पालन करना चाहिए। और जिनके पास कल्याण की प्रज्ञा है वे नियमों का पालन कर ही नहीं सकते है। किसी सर्प की बांबी पर खड़ा रहना कोई नियम है क्या? लेकिन परमात्मा उस नियम को तोड़ते हैं।

उपाध्याय प्रवर ने कहा कि जीवन एक प्रवाह में चलता है। नींद आने पर हम सोते हैं, भूख लगने पर हम खाना खाते हैं। प्रवाह में चलने वाले को दूसरा आयाम नजर नहीं आता। नींद आने के बाद उसे केवल बिस्तर नजर आता है, इसके अलावा उसके पास कोई और विकल्प नहीं होता है। लेकिन परमात्मा इस प्रवाह को तोड़ते हैं। जब झपकी आती थी तो परमात्मा घूमना शुरू कर देते थे। वे प्रवाह से बाहर चले जाते थे। अनन्तचक्षु बन जाते थे, कई रास्ते दिखाई देते थे। हम जीवन में एक ही रास्ता अपनाते हैं, इसलिए परिणाम भी एक सा मिलता है। परिणाम तभी बदलेंगे जब हम नया रास्ता चुनेंगे। अनन्तचक्षु पाना है तो प्रवाह को बदलो, उससे बाहर निकलो, तभी नए आयाम दिखेंगे।

सुधर्मा स्वामी कहते हैं कि परमात्मा सूर्य के समान हैं, वहीं अगली पंक्ति में कहते हैं कि वे अग्नि के समान हैं। ऐसा वे क्यों कहते हैं? सूरज अंधकार को समाप्त करता है, लेकिन जब दीपक जलाते हैं तो जहां तक उसकी रौशनी जाती है वहां तक दिखता है, और उसके आगे का अँधियारा भी दिखता है। सूरज अंधकार को समाप्त कर देता है और दीपक की लौ से उजाला और अँधेरा भी दिखता है। अँधेरा पाप है और पुण्य उजाला है, जो पुण्य और पाप को देख सकता है वही धर्म कर सकता है। परमात्मा कहते है कि दोनों को जान। पाप और पुण्य को जानोगे तभी जीवन में आगे बढ़ पाओगे। केवल पुण्य या पाप को जानकर निर्णय नहीं कर सकते। यदि किसी ने जीवन में केवल अच्छा ही देखा है और उसके जीवन में कभी बुरा आ गया तो वह कभी उठ नहीं पायेगा।

इसलिए अगर जब हमें अच्छे और बुरे पल पता चलेंगे तभी हम जीवन में आगे बढ़ पाएंगे। उपाध्याय प्रवर ने आगे पूछा कि पार्टी बढ़िया होती है कि उसका नेता उसे अच्छा बनता है? अगर नेता अच्छा होगा तो पार्टी भी अच्छी होगी। धर्म तभी श्रेष्ठ होता है जब उसका नेतृत्व करने वाला श्रेष्ठा हो। जब तक जिनशासन का नेतृत्व महावीर के हाथों में था, दुनिया के हर कोने में यह धर्म पहुंचा था। धर्म को पुनः उसी स्तर पर ले जाना है तो नेतृत्वकर्ता को महावीर बनाना पड़ेगा।

मातर उत्सवः युवाओं ने किया राउत नाचा

रायपुर (ए)। पुरानी बस्ती के राज ठेठवार परिवार चौक में मातर उत्सव मनाया गया। राज ठेठवार परिवार, रायपुर राज और सामाजिक ठेठवार बंधुओं ने कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान चौक में भगवान श्री राधाकृष्ण की प्रतिमा का लोकार्पण हुआ।

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मातर का उत्सव मनाया जाता है। इसके साथ दिवाली के त्योहार का समापन होता है। उत्सव के दौरान समाज के लोग बड़ी संख्या में मातर की पारंपरिक वेशभूषा में तैयार हुए। यादव समाज के ईष्ट भगवान कृष्ण और गौमाता के साथ मातर उत्सव के देव खुड़हर देवता की पूजा कर उत्सव मनाया। मातर में लोग दोहे बोलते हुए स्वजातीय बंधुओं के घर जाते हैं और हाथ में लट्ठ लेकर राउत-नाचा करते हैं। इस दौरान कार्यक्रम में यादव ठेठवार समाज के संरक्षक डॉ. रेवाराम यदु, अध्यक्ष हरिराम यदु, प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ परमानंद यादव, राजेश यदु समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

जैन तीर्थ सिद्ध क्षेत्र के निर्माण में मदद करने वाले हुए सम्मानित

रायपुर। जैनतीर्थ रेशंदिगिरी सिद्धक्षेत्र मप्र छतरपुर जिला में स्थित है जहां भगवान श्री पार्श्वनाथजी का समवशरण पधारा था। उस समय मनुष्यों, पशुओं एवं देव-देवियों ने समवशरण में प्रभु का मंगल उपदेश श्रवण कर अनेकों जीवों ने अपना आत्म कल्याण किया था। उस पावन भूमि पर देशना मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है जिसके पंचकल्याणक भी 4 दिसम्बर 2023 से 10 दिसम्बर 2023 तक आचार्य विराग सागर महाराज के सानिध्य में संपन्न होते जा रहा है। इसके निर्माण के लिए छग से दानदाता निर्मलकुमार, अभयकमार राकेश कुमार नवापारा-राजिम द्वारा, द्वितीय वेदिका के निर्माण हेतु भिलाई दुर्ग निवासी राजेश कुमार मुकेश जैन परिवार द्वारा वेदिका निर्माण हेतु सुनील कुमार, सुजीत कुमार डोंगरगांव द्वारा सहयोग राशि दी गई।

छत्तीसगढ़ में कुछ दिन बाद फिर बदलेगा मौसम, बढ़ेगी ठंड

रायपुर (ए)। बीते कुछ दिनों से बढ़ रही ठिठुरन अब कम होगी और आने वाले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान तीन डिग्री तक बढ़ेगा। साथ ही अधिकतम तापमान में भी बढ़ोतरी आएगी। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से वातावरण में नमी बढ़ेगी, लेकिन ठंड कम होगी। हालांकि 22 नवंबर से एक बार मौसम का मिजाज बदलेगा और उत्तर से आने वाली ठंडी हवाओं के प्रभाव से ठंड और ज्यादा बढ़ेगी। शुक्रवार को रायपुर सहित प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहा। सुबह-सुबह के साथ ही देर रात में भी ठंड बनी हुई है और ग्रामीण व आउटर क्षेत्रों में ठंड ज्यादा है। शुक्रवार को प्रदेश भर में अंबिकापुर सबसे ठंडा रहा और यहां का न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आने वाले तीन दिन में अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। इससे ठंड थोड़ी कम होगी, हालांकि 22 नवंबर से न्यूनतम तापमान में फिर से गिरावट शुरू होगी। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले तीन दिनों में अधिकतम व न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी की संभावना है।

बीएड-डीएलएड की खाली सीटों में प्रवेश इसी माह

रायपुर (ए)। बीएड व डीएलएड की खाली सीटों में प्रवेश की प्रक्रिया इसी माह शुरू होने की संभावना है। इसके लिए अगले सप्ताह निर्देश जारी हो सकते हैं। दो राउंड की काउंसिलिंग के बाद बीएड और डीएलएड में 3300 से अधिक सीटें खाली हैं। इनमें बीएड की करीब ढ़ाई हजार सीटें रिक्त हैं। राज्य में बीएड की पढ़ाई करीब 146 कॉलेज में हो रही है। यहां 14400 सीटें हैं। जबकि 91 कॉलेजों में डीएलएड की 6600 सीटें हैं। इन दोनों कोर्स के लिए कुछ महीने पहले व्यापमं से प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। इनमें बीएड में दो लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल हुए थे। नतीजे जारी होने के बाद अगस्त के तीसरे सप्ताह से एससीईआरटी से काउंसिलिंग शुरू हुई। इसमें दो राउंड की काउंसिलिंग के लिए शिड्यूल जारी किया गया। जबकि इससे पहले के वर्षों में तीन राउंड में काउंसिलिंग होती थी। इसलिए इस बार तीसरे चरण की काउंसिलिंग को लेकर संशय की स्थिति बनी है। हालांकि, अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक खाली सीटों के लिए काउंसिलिंग होगी।

दिसंबर में भी होगा प्रवेश और जनवरी में परीक्षा

बीएड में प्रवेश के लिए अगले सप्ताह शिड्यूल जारी होने के आसार है। ऐसे में प्रवेश की प्रक्रिया इस माह भी शुरू होगी तब भी एडमिशन दिसंबर के पहले सप्ताह तक होंगे। वहीं दूसरी ओर अलग-अलग विश्वविद्यालयों से विभिन्न कोर्स की सेमेस्टर परीक्षा के लिए आवेदन मंगाए जा रहे हैं। बीएड में दाखिले पूरा होने के बाद दिसंबर में ही परीक्षा के लिए आवेदन मंगाए जा सकते हैं। जबकि परीक्षा जनवरी के शुरू होने की संभावना है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहे हैं कि छह महीने के सेमेस्टर में डेढ़-दो महीने पढ़ाई के आधार पर परीक्षा कैसे होगी? नए छात्रों का कोर्स कैसे पूरा होगा?

कॉलेजों में अटेंडेंस की पहली गणना 30 नवंबर तक 75 प्रतिशत से कम तो पैरेंट्स को जाएगी सूचना

रायपुर (ए)। बीए, बीकॉम, बीएससी समेत अन्य कोर्स में छात्रों की उपस्थिति कैसी है? कितने छात्र नियमित कॉलेज आ रहे हैं? इसकी पहली गणना 30 नवंबर तक होगी। प्रत्येक क्लास में 75 प्रतिशत अटेंडेंस जरूरी है। इससे कम अटेंडेंस होने पर संबंधित छात्रों के अलावा उनके पैरेंट्स को भी सूचना जाएगी। इस संबंध मे पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों को पत्र जाएगा। दरअसल, शिक्षा सत्र 2023-24 के एकेडमिक कैलेंडर में उपस्थिति की गणना करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस संबंध में विवि के अधिकारियों का कहना है कि नया सत्र शुरू होने के साथ ही कॉलेजों को कहा गया है कि वे एकेडमिक कैलेंडर का पालन करें। इसके अनुसार कॉलेजों में कक्षाएं संचालित की जा रही है। उपस्थिति की गणना इस महीने की जाएगी। इसमें हर विषय की क्लास में 75 फीसदी उपस्थिति जरूरी है। ऐसे छात्र जो एनसीसी, एनएसएस कैम्प, खेलकूद,

राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में शामिल हुए हैं, उन्हें उपस्थित माना जाएगा। जिन छात्रों की उपस्थिति बहुत कम है, वे नियमित छात्र के रूप में परीक्षा के लिए पात्र नहीं होंगे। इस संबंध में भी कॉलेजों को यह निर्देश जारी किया जाएगा कि वे परीक्षा के आवेदन के दौरान इस बात का ख्याल रखे। उपस्थिति की दूसरी गणना फरवरी में होगी। उच्च शिक्षा की ओर से जारी एकेडमिक रविवि के अलावा अन्य राजकीय विवि के लिए भी है। वहां भी अटेंडेंस के लिए यही निर्देश है। इसे लेकर दूसरे विवि भी छात्रों की उपस्थिति को लेकर संबद्ध कॉलेजों को पत्र भेजने की तैयारी में हैं। गौरतलब है उच्च शिक्षा से जुड़े राज्य में 500 से अधिक कॉलेज हैं। इसमें से 260 से अधिक शासकीय संस्थान हैं।

कालेजों में ऑफलाइन प्रवेश लेने वालों की लिस्ट अपडेट नहीं, विवि ने मांगी जानकारी

शिक्षा सत्र 2023-24 के तहत यूजी व पीजी में प्रवेश की प्रक्रिया जून से शुरू हुई। शुरुआत में ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए। लेकिन बाद में सीटें खाली रहने पर प्रवेश की तारीख बढ़ाई गई और ऑफलाइन एडमिशन भी दिए गए। लेकिन कितने छात्रों के ऑफलाइन एडमिशन हुए यह लिस्ट कॉलेजों से अपडेट नहीं हुई है। इसे लेकर पिछले दिनों विवि से कॉलेजों को पत्र भेजा गया था। इसमें कहा गया था कि जल्द ही ऑफलाइन प्रवेश लेने वाले छात्रों की लिस्ट अपडेट करें। बाद में अपडेट संबंधी किसी भी कॉलेज का पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक अब भी कई संस्थानों ने जानकारी नहीं दी है।

एनुअल एग्जाम के आवेदन जनवरी में, परीक्षा मार्च से

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा-2024, मार्च के दूसरे सप्ताह में होगी। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया जनवरी के पहले सप्ताह से शुरू होगी। पिछली बार रविवि की वार्षिक परीक्षा के लिए डेढ़ लाख से अधिक छात्रों ने आवेदन किया था। इसमें नियमित की तुलना में प्राइवेट से फार्म भरने वाले छात्रों की संख्या ज्यादा थी। इस बार भी ज्यादा संख्या में फार्म आने की संभावना है। जानकारों का कहना है? कि यूजी कक्षाओं में बीकॉम व बीएससी की तुलना में बीए में प्राइवेट यानी स्वाध्यायी छात्रों की संख्या अधिक रहती है। इसके अलावा वार्षिक परीक्षा के तहत होने वाली पीजी परीक्षाओं में अधिकांश प्राइवेट छात्र रहते हैं।

यादव समाज ने दीपावली मिलन में किया सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, बच्चों-महिलाओं ने दी प्रस्तुति

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील यादव महासंघ द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों और महिलाओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। आर्या, अयांश, एकवीरा, अरुणेश ने ड्राइंग बनाई जबकि समृद्धि यादव ने महाभारत की काव्यात्मक प्रस्तुति दी।

अवंतिका ने एकल गायन और आराध्या ने डांस के जरिए लोगों का मनोरंजन किया। कार्यक्रम में लकी ड्रॉ निकाला गया। इसमें बंशी यादव को प्रथम और ललन सिंह यादव को द्वितीय पुरस्कार मिला। इस दौरान महासंघ के जुड़ने वाले नए सदस्यों और परिवारों का परिचय अन्य सदस्यों से कराया गया। कार्यक्रम में सुनीति यादव, लक्ष्मी यादव, संस्था के अध्यक्ष जितेंद्र बहादुर यादव, ब्रिगेडियर प्रदीप यदु, मालती यादव, सचिव अशोक यादव, उपमहासचिव रवींद्र सिंह, सह महासचिव राजेश यादव, रजनीश यादव मौजूद रहे।

बुजुर्गों के साथ मनाई 'खुशियों वाली दिवाली', उपहार बांटे

वक्ता मंच द्वारा सुंदर नगर स्थित वृद्धाश्रम में दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मंच के सदस्यों ने आश्रम के वृद्धजनों के बीच जाकर 'खुशियों वाली दिवाली' कार्यक्रम मनाया। मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने बताया कि इस दौरान शहर के साहित्यकार व सामाजिक कार्यकर्ता आश्रम पहुंचकर वृद्धजनों के बीच दिवाली मनाई। इस मौके पर आश्रम की संचालिका ममता शर्मा, प्रीति शर्मा, कामिनी देवांगन, नीलम अग्रवाल, मंच के संयोजक शुभम साहू, रोहिताश त्रिपाठी, विभाष झा, जागृति मिश्रा, चंद्रकला त्रिपाठी मौजूद रहीं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

यामी गौतम ने अनटाइटल फिल्म की शूटिंग की पूरी रैप-अप शेड्यूल से शेयर की फोटो

बॉलीवुड फिल्मों विक्की डोनर, उरी, ओएमजी 2 और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर एक्ट्रेस यामी गौतम ने अपने करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्ट्रेस ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर अपनी अगली अनटाइटल फिल्म के रैप-अप शेड्यूल से एक तस्वीर साझा की। वह मेपल का पत्ता पकड़े हुए मुस्कुराते हुए नजर आ रही है।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरे करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक की शूटिंग पूरी हो गई है। पूरी डायरेक्शन, प्रोडक्शन टीम और बी62 स्टूडियो में हमारे अद्भुत क्रू को धन्यवाद। कश्मीर के स्थानीय लोगों, सुरक्षा बलों और अधिकारियों को धन्यवाद, जिन्होंने पूरे शेड्यूल के दौरान हमारी इतनी अच्छी देखभाल की। उन्होंने आगे कहा, तुलमुल्ला में दिव्य माता खीर भवानी का आशीर्वाद लेने का भी सौभाग्य मिला। आशा है कि हम इस फिल्म के साथ अपने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने में सक्षम होंगे। घोषणा जल्द ही होगी। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर मंदिर की यात्रा का एक वीडियो भी साझा किया। इससे पहले, अक्टूबर में यह खबर आई थी कि एक्ट्रेस अपनी फिल्म की शूटिंग के लिए 50 दिनों के लिए उत्तर भारतीय शहर में रुकी थीं। इस अनटाइटल प्रोजेक्ट के साथ एक्ट्रेस की धूम धाम भी पाइपलाइन में है।

विटामिन बी12 की कमी से हाथ-पैर में होती है झुनझुनी ऐसे दूर होगी समस्या

क्या आप भी बार-बार झुनझनी आने से परेशान हैं? क्या आपके हाथ-पैर में भी हमेशा ही झुनझुनी चढ़ती रहती है? अगर हां, तो क्या आप इसका कारण जानते हैं? दरअसल, हाथ-पैर या किसी अंग में बार-बार झुनझुनी की समस्या होना विटामिन की कमी से होता है। एक खास तरह के विटामिन की कमी से न्यूरोन की एक्टिविटी प्रभावित होती है। इससे नसों के काम करना भी प्रभावित होता है। ऐसे में चलिए जानते हैं किस विटामिन की कमी से झुनझनी हो सकती है और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए।

इस विटामिन की कमी से झुनझुनी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, शरीर में विटामिन बी12 की कमी जब होती है, जब कई तरह की न्यूरोलॉजिकल समस्याएं होने लगती हैं। इसकी कमी से चक्कर आना, थकान, डिप्रेशन, पैरों में पेरेस्टेसिया और मांसपेशियों में ऐंठन जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। यह समस्या ज्यादातर नर्व से जुड़ी होती है, जिसकी वजह से मांसपेशियां और नसों में कमजोरी आ सकती है। इस कारण नसों में झुनझुनी हो सकती है।

क्या सिर्फ विटामिन बी12 से ही आती है झुनझुनी

कई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हाथ-पैर पर चढ़ने वाली झुनझुनी सिर्फ विटामिन बी 12 के कारण ही नहीं बल्कि दूसरे विटामिन की कमी से भी हो सकती है। अगर सही तरह से खानपान नहीं है तो विटामिन की कमी शरीर में हो जाती है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिनका आंत विटामिन को सही तरह पचा नहीं पाता और उन्हें इस विटामिन की कमी हो सकती है।

विटामिन बी12 की कमी दूर करने क्या खाएं

- शरीर में विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए मीट, मछली, अंडा खाएं।
- दूध, पनीर और दूध के प्रोडक्ट्स के सेवन से भी विटामिन बी 12 की कमी दूर हो सकती है।
- डाइट में फोटिफाइट फूड्स शामिल कर विटामिन बी 12 की कमी पूरी कर सकते हैं।
- मोटे अनाज खाने से भी शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी 12 मिल जाता है।

इन चीजों से हो सकती है विटामिन बी 12 की कमी

- शराब
- कॉफी
- प्रोसेस्ड फूड

इंडो-वेस्टर्न येलो आउटफिट पहन रकुल प्रीत सिंह ने दिखाया किलर अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से लोगों के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी कातिलाना अदाओं को देखकर लट्टू हो जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लोगों को के बीच महफिल लूट ली है। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपनी एक्टिंग और बोल्ड ड्रेसिंग सेंस दोनों के चलते ही सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में रकुल प्रीत सिंह ने इंडो-वेस्टर्न ड्रेस में अपनी फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने येलो कलर का सिंपल एंड सोबर लुक में लहंगा पहाना हुआ है। एक्ट्रेस अपने इस आउटफिट में बेहद ही कमाल की नजर आ रही हैं। साथ ही कैमरे के आगे एक से बढ़कर एक पोज देते हुए इंटरनेट पर सनसनी मचा रही हैं। कानों में झुमके, लाइट मेकअप और खुले बाल कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लुक को काफी खूबसूरती से निखारा है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं रकुल प्रीत सिंह डीपनेक क्लीवेज फ्लॉन्ट करते हुए अपनी सेक्सी अदाओं से फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी इन फोटोज को शेयर करते हुए कैप्शन में कुछ ना लिखते हुए तीन येलो हार्ट इमोजी शेयर किए हैं। बताते चलें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो उनके चाहने वाले उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स करते हैं। हालांकि इन तस्वीरों पर भी अब तक 5 लाख से ज्यादा यूजर्स के लाइक्स चुके हैं।

झनक में हिबा नवाब का दिखेगा अलग अवतार, एक्ट्रेस ने शेयर की शो से जुड़ी दिलचस्प बातें

स्टार प्लस को असाधारण कंटेंट देने के साथ ही अनछुए क्षेत्र में वेंचर करने के लिए जाना जाता है। ऐसे में यह अब झनक नाम के नए शो के साथ आ रहा है, जिसमें वह उम्मीदों और सपनों से भरी एक युवा लड़की की कहानी सुनाएगा। लड़की के जीवन में कई अजीबोगरीब परिस्थितियां आएंगी जिसका सामने करते हुए हम उसे देखेंगे।

बता दें कि हिबा नवाब शो में झनक की मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी, उनके साथ क्रुशाल आहूजा उर्फ अनिरुद्ध मुख्य किरदार में हैं, और चांदनी शर्मा शो में अर्शी का किरदार निभाती नजर आएंगी। झनक एक युवा लड़की की कहानी है जो गरीबी में बड़ी हुई है लेकिन इसका सपना एक डांसर बनने का है। झनक अपने सपनो को पूरा करने के लिए सभी मुश्किलों को पार करने का फैसला करती है, लेकिन उसके परिवार पर आने वाली एक परेशानी से उसका जीवन उलट-पुलट हो जाता है।

दर्शकों को झनक के जीवन में होने वाले भावनात्मक उतार-चढ़ाव का इंतजार रहेगा। उसकी कहानी दर्शाती है कि कैसे, फ़ीनिक्स की तरह, वह राख से उभरती है। झनक, अनिरुद्ध और अर्शी की इस दिल को छू लेने वाले सफर को देखना दिलचस्प होगा कि कैसे वे अपने बिगड़ते रिश्तों को संभालते हैं।

हिबा नवाब, जो स्टार प्लस के शो झनक में झनक की भूमिका निभा रही हैं, उन्होंने हमें अपने किरदार के बारे में जानकारी देते हुए कहा है, मैं झनक का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं, और यह मुख्य भूमिका है। मैं खुश होने के साथ ही बहुत रोमांचित हूं।

एक्ट्रेस ने बताया कि झनक कश्मीर से है, एक डांसर बनने की इच्छा रखती है, और अपने परिवार से प्यार करती है। झनक का लक्ष्य बदलाव करना है, उसका भाग्य और वह सब कुछ हासिल करना जो उसका दिल चाहता है। मैं झनक के किरदार से जुड़ी हुई हूं, खास कर के उस बंधन से जो वह अपनी मां के साथ साझा करती है, और मैं ऑफ-स्क्रीन और ऑन-स्क्रीन काफी समान हूं। कई खास बाते हैं जो मुझे झनक के किरदार से सीखने को मिलेगी और मैं इसके लिए उत्सुक हूं। लीना गंगोपाध्याय द्वारा निर्मित झनक 20 नवंबर से सोमवार से रविवार रात 10:30 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

अमेजन प्राइम वीडियो ने किया अपनी नई सीरीज धूथा का ऐलान, हिंदी में भी होगी रिलीज

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो ने अपनी नई वेब सीरीज का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम धूथा रखा गया है। यह हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी। धूथा का निर्देशन विक्रम के कुमार द्वारा किया जा रहा है। इसमें नागा चैतन्य अक्किनेनी, पार्वती थिरुवोथु, प्रिया भवानीशंकर और प्राची देसाई जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।इसके साथ निर्माताओं ने धूथा का पहला पोस्टर भी जारी कर दिया है।

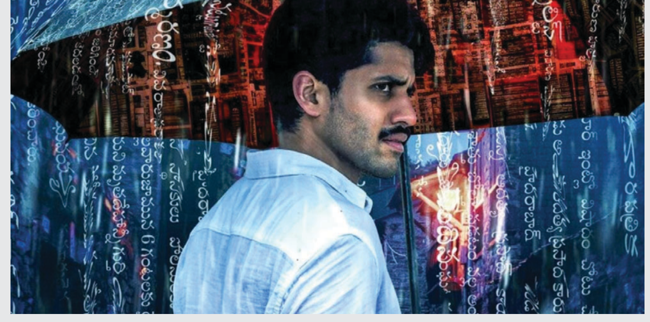

अमेजन प्राइम वीडियो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर धूथा का पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, रहस्य या संदेश? आपको जल्द ही पता चल जाएगापोस्टर के साथ धूथा की रिलीज तारीख भी सामने आ चुकी है। यह वेब सीरीज 1 दिसंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देने के लिए तैयार है।इस सीरीज के जरिए चैतन्य अक्किनेनी ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

मतदान को लेकर हर वर्ग में उत्साह, शहर को पीछे छोड़ आगे निकले गांव के मतदाता

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले में आज संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के मतदान में मतदाताओं में उत्साह देखा गया। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के मतदान केंद्रों में मतदाता सुबह से कतारबद्ध होकर मतदान हेतु अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिये। चुनाव आयोग द्वारा स्वीप कार्यक्रम सहित अन्य माध्यम से किये गये प्रचार प्रसार एवं मतदाताओं को वोट डालने दी गई सुविधाओं की वजह से मतदान करने लोगों का उत्साह बना रहा। निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक मतदान की प्रक्रिया का जायजा लेते रहे वहीं कलेक्टर श्री सौरभ कुमार, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, सहित सभी जोनल अधिकारी मतदान केंद्रों का भ्रमण करते रहे। कोरबा जिले में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

कोरबा जिले में मतदान करने लोगों में अभूतपूर्व उत्साह नजर आया। युवा मतदाता, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं सहित विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा, बिरहोर जनजाति के मतदाताओं ने भी मतदान किया। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 21 कोरबा के

मतदान केंद्र शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गोपालपुर में वृद्धजन रामनाथ वर्मा ने मतदान कर एक आदर्श मतदाता होने का परिचय दिया। मतदान केंद्र शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गोपालपुर में 93 वर्षीय श्रीमती भरोस कुंवर, 78 वर्षीय तीज कुंवर, 68 वर्षीय चरण कुँवर सहित अन्य वरिष्ठजनों ने मतदान कर जागरूक नागरिक होने का दायित्व निभाया। पाली तानाखार विधानसभा क्रमांक 23 के मतदान केंद्र प्राथमिक शाला गुड़रुमुड़ा में विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर वर्ग के मतदाताओं ने मतदान कर लोकतंत्र के निर्माण में अपना योगदान दिया। ग्राम पंचायत घोसरा मतदान केंद्र क्रमांक 61 प्राथमिक शाला बेलपरा में निःशक्तजन श्री धीरसाय पिता शोभनाथ ने मतदान कर मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कोरबा विधानसभा अंतर्गत नगरीय क्षेत्र स्थित संगवारी मतदान केंद्र रामपुर में 70 वर्षीय असुन बाई ने मतदान किया। नगर निगम अंतर्गत स्वच्छता दीदीयों ने भी मतदान कर जिम्मेदार नागरिक होने का फर्ज अदा किया।

कोरबा जिले के विधानसभा कटघोरा के आदर्श संगवारी मतदान केंद्र (मतदान केंद्र क्रमांक 36) में युवा चंचल शर्मा व चित्रिका उपाध्याय ने आज पहली बार मतदान किया। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज कर आज वे बेहद खुश एवं उत्साहित हैं। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपना कीमती समय निकालकर अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील की। विधानसभा कटघोरा अंतर्गत ग्राम फुलझर निवासी एलएलबी की छात्रा श्वेता रानी दीवान ने पहली बार मतदान करके, लोकतंत्र के निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाई और अन्य युवाओं को मतदान हेतु प्रेरित किया। विधानसभा कटघोरा के आदर्श संगवारी मतदान केंद्र 36 में 70 वर्षीय लकवाग्रस्त श्री लक्ष्मी कुमार ने मतदान किया। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज कर आज वे बेहद खुश हैं।

मतदान केंद्रों में वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों और शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को मतदान कराने स्कूली विद्यार्थियों, मतदाता सहायक, स्काउट्स एवं गाइड्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंचाने, पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य किया। मतदान में दिव्यांग मतदाताओं ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। दिव्यांगों ने व्हील चेयर, ट्रायसायकल आदि के सहारे मतदान केन्द्र पहुंच कर अपने पसंद के उम्मीदवार को वोट डाला। एनआईसी अधिकारी हेमंत जायसवाल ने अपनी 9 माह की गर्भवती पत्नी ज्योति जायसवाल के साथ लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। उन्होंने अपनी पत्नी के साथ प्राथमिक शाला डिंगापुर में मतदान किया। जिले में 40 संगवारी 20 आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए थे। सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक युवा और दिव्यांग कर्मियों द्वारा प्रबंधित मतदान केंद्र बनाए गए थे। इन सभी केंद्रों में मतदान करने उत्साह का माहौल नजर आया। महिला मतदाताओं ने संगवारी बूथों में बढ़-चढ़ कर मतदान किया। इस दौरान संगवारी बूथ में वोट डालने के पश्चात् हरमीत कौर, दीपा कौर, आइशा रिज़वी सहित अन्य मतदाताओं ने संगवारी बूथ की सराहना की। मतदान केंद्रों में अनेक स्थानों पर सेल्फी जोन बनाया गया था। मतदान करने के पश्चात् अनेक मतदाताओं ने सेल्फी लेकर अपनी फोटो सोशल मीडिया में शेयर की और लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी देने का प्रमाण प्रस्तुत किया। जिले में कुल 1081 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इन मतदान केंद्रों में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। मतदान केंद्रों की लाइव स्थिति जानने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी।

अमेरिका से रायपुर आकर युवा मतदाता अभिषेक वर्मा ने किया मतदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य विभाग के सचिव टी. के.वर्मा ने रायपुर के डुंडा मतदान केंद्र क्रमांक 282 में सपरिवार अपने मताधिकार का उपयोग किया। सचिव श्री वर्मा ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती नंदिनी वर्मा ,अमेरिका से आये पुत्र अभिषेक एवं मुम्बई से आयी बिटिया आयुषी के साथ दोपहर रायपुर के डुंडा मतदान केंद्र पहुचे और आम मतदाताओं के साथ लाईन में लगकर बारी- बारी में मतदान किया।

सचिव श्री वर्मा के बेटे और बिटिया को पहली बार वोट करने का मौका मिला था। दोनों भाई - बहन इसको लेकर बेहद उत्साहित दिखे।

अमेरिका में अध्ययनरत अभिषेक वर्मा और मुम्बई रहकर पढ़ाई कर रही आयुषी वर्मा वोट डालने के लिए रायपुर आये थे। मतदान के बाद उन्होंने इसे यादगार बनाने के लिए मतदान केंद के बाहर सेल्फी भी ली।

अभिषेक और आयुषी ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता को मतदान अवश्य करना चाहिए।

खास खबर

364 मतदान केंद्र का किया गया वेब कास्ट

सूरजपुर। मतदान दिवस पर जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल सुबह से ही प्रबंधन को लेकर सक्रिय दिखे। 364 मतदान केंद्र में किया गया था वेब कास्ट, जिले के तीनों विधानसभा के लिये 364 मतदान केंद्र में वेब कास्ट की व्यवस्था की गई थी । जिसके लिए जिला संयुक्त कार्यालय के सभा कक्ष को कंट्रोल रूम बनाया गया था । वेब कास्ट का संपादन बिना किसी बाधा के हो रहा है, इस पर नजर रखने के लिए मतदान शुरू होने के पूर्व से ही कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल व एसपी आई कल्याण एलिसेला सभा कक्ष में उपस्थित थे। जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल और एसपीआई कल्याण एलिसेला एक साथ मतदान केंद्र का अवलोकन करने के लिए निकले थे। मतदान केंद्र पहुंचकर उन्होंने अपने मताधिकार के उपयोग करने के लिए आए नागरिकों से मतदान स्थल की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। इसी बीच दोनों अपने आबंटित मतदान केंद्र पर भी पहुंचे और और उन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने आदर्श मतदान केन्द्र (संगवारी बूथ) मा.शा. नवापारा सूरजपुर में अपना वोट डाला और एसपी आई कल्याण एलिसेला ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला विश्रामपुर में अपना वोट डाला।

तीन चौथाई से बड़ी बहुमत के साथ छत्तीसगढ़ में फिर से बनेगी कांग्रेस की सरकार-दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने एवं शांति पूर्ण मतदान के लिये प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि भाजपा इस चुनाव को प्रभावित करने के लिये छत्तीसगढ़ की शांत फिज़ा को खराब करने का षडयंत्र रचा था लेकिन असफल रहे। प्रदेश की जागरूक मतदाता भाजपा के बहकावे में नहीं आयी। छत्तीसगढ़ की जनता ने कांग्रेस सरकार के काम एवं कांग्रेस के घोषणा पत्र पर भरोसा किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस 75 से अधिक सीट जीतकर पुन: सरकार बनाने जा रही है। प्रथम एवं दूसरे चरण के मतदान में किसान, माता, बहने, युवा, श्रमिक व्यापारियों का रूझान कांग्रेस के प्रति मिला। विधानसभा का यह चुनाव मोदी के झूठ, जुमले और कांग्रेस पर भरोसे का चुनाव रहा। कांग्रेस की सरकार बनते ही जनता से किये सभी वादों पर काम शुरू होगा। मोदी की गारंटी एवं भाजपा के झूठे एवं मनगढ़त आरोप को जनता ने खारिज कर दिया है। कांग्रेस ने 2018 में अपने घोषणा पत्र के अधिकांश वायदो को विगत 5 वर्षो के कार्यकाल में निभाया है, जनता का भरोसा 5 सालों में कांग्रेस के प्रति और बढ़ा है। यही कारण है कि जनता ने एक बार फिर कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। कांग्रेस ने उत्साहपूर्वक मतदान करने के लिये मतदाताओं का आभार जताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव प्रचार अपनी सरकार की योजनाओं और कांग्रेस सरकार के पिछले कामों को आधार बना कर किया है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुलदीप शर्मा और पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने मतदान तिथि 17 नवंबर को जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संगवारी एवं आदर्श मतदान केंद्रों के साथ-साथ जिले के मतदान केंद्रों में किए गए बेहतरीन व्यवस्था की सराहना भी की। कलेक्टर शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान मतदान कर्मी एवं मतदाताओं से बातचीत कर मतदान केंद्रों के व्यवस्थाओं का पड़ताल भी किया।

इस दौरान कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने आदर्श संगवारी मतदान केंद्र क्रमांक 79 झलमला में पहुँचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर श्री शर्मा ने मतदान अधिकारियों से मतदान केंद्र में अब तक हुए कुल मतदान एवं अन्य जरूरी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने आदर्श मतदान केंद्र झलमला के बेहतरीन साज-सज्जा एवं अन्य व्यवस्थाओं की सराहना भी की। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने विधानसभा क्षेत्र संजारी बालोद के इको ग्रीन आदर्श मतदान क्रमांक 52 उत्तर लाटाबोड़ का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री शर्मा ने पीठासीन अधिकारी एवं निर्वाचन अभिकर्ताओं से बातचीत कर मतदान केंद्र के व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने मतदान केंद्र क्रमांक 163 ग्राम सांकरी एवं मतदान केंद्र क्रमांक 168 आदर्श संगवारी मतदान केंद्र सिकोसा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आदर्श संगवारी मतदान केंद्र सिकोसा में छत्तीसगढ़ी एवं ग्रामीण संस्कृति पर आधारित किए गए बेहतरीन साज-सज्जा की सराहना की। इस दौरान कलेक्टर श्री शर्मा ने मतदान केंद्रों में पहुँचे बुजुर्ग मतदाताओं से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। श्री शर्मा ने मतदान केंद्र क्रमांक 77 आदर्श मतदान केंद्र शासकीय कन्या शाला डौण्डीलोहारा में मतदान करने पहुँची 81 वर्षीय बुजुर्ग मतदाता जमुना बाई से बातचीत कर उनका हाल-चाल जाना। श्री शर्मा ने कहा कि श्रीमती जमुना बाई का उम्र के इस पड़ाव में भी मतदान केंद्र में पहुँचकर मतदान करना वास्तव में काबिले-तारीफ है। उन्होंने श्रीमती जमुना बाई एवं मतदाताओं से बातचीत कर देश के लोकतंत्र के प्रति अटूट आस्था को सभी मतदाताओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बताया। इस दौरान कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने मतदान केंद्र क्रमांक 80 डौण्डीलोहारा, मतदान केंद्र क्रमांक 98 चिल्हाटी का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके अलावा उन्होंने पाररास बालोद में स्थित मतदान केंद्र क्रमांक 22 एवं 23 का भी निरीक्षण किया।

जी-20 थिंक क्विज के राष्ट्रीय फाइनल में पहुंचा केपीएस रायपुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय नौसेना और नेवी वेलफेयर एंड वेलनेस एसोसिएशन (एनडब्ल्यूडब्ल्यूए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित द इंडियन नेवी क्विज - थिंक का राष्ट्रीय स्तर पर फ़ाइनल 18 नवंबर को मुंबई के गेटवे ऑफइंडिया पर होगा। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सेमीफ़ाइनल 17 नवंबर को मुंबई स्थित नेशनल सेंटर फॉर परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए) में हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के कृष्णा पब्लिक स्कूल (केपीएस) सहित आठ स्कूलों ने अंतिम दौर के लिए क्वालीफाई किया है।

पिछले कुछ वर्षों से नौसेना की सामाजिक गतिविधियों के हिस्से के रूप में स्कूली बच्चों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कर रही है। द इंडियन नेवी क्विज - थिंक नामक इस प्रश्नोत्तरी के 2023 संस्करण ने वैश्विक पहुंच हासिल कर ली है। जी20 सचिवालय से प्राप्त सहयोग पर आधारित है और जी20 सम्मेलन भारत की अध्यक्षता के कारण इस आयोजन को जी20 थिंक भी कहा जा रहा है। यह प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एक रोमांचकारी मोड़ पर पहुंच गई है। मुंबई में एनसीपीए में हुए सेमीफ़ाइनल के दो दौर के कड़े प्रयासों के बाद आठ शिक्षण संस्थानों ने राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले फ़ाइनल के लिए अपना स्थान सुरक्षित किया।

इनमें नेवी चिल्ड्रेन स्कूल मुंबई (महाराष्ट्र), कृष्णा पब्लिक स्कूल रायपुर (छत्तीसगढ़), जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल), दिल्ली पब्लिक स्कूल भोपाल (मध्य प्रदेश), भवन विद्या मंदिर कोच्चि (केरल), संजय घोड़ावत इंटरनेशनल स्कूल कोल्हापुर (महाराष्ट्र), डीएवी पब्लिक स्कूल गुरुग्राम (हरियाणा) और जीएमएचएसएस कालीकट विश्वविद्यालय परिसर मलप्पुरम (केरल) शामिल हैं।

एक ऑफर ऐसा भी, उंगली में लगी स्याही देख कैफे में मिला डिस्काउंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपने मताधिकार का प्रयोग करें। इंक लगी उंगली दिखाएं और फूड में डिस्काउंट लें। कुछ ऐसा ही ऑफर शहर के रेस्टोरेंट्स और कैफे ने अपने रेगुलर कस्टमर को भेजा। लेकिन इनके रेस्टोरेंट में जो भी पहुंचा, उन्हें डिस्काउंट दिया गया। लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के मकसद से शहर के रेस्टोरेंट और कैफे में इस तरह की पहल की गई। इस ऑफर का फायदा लेने वालों में ज्यादातर यूथ नजर आए।

रेस्टोरेंट्स में बढ़ी रौनक

शाम 5 बजे के बाद रेस्टोरेंट्स में लोगों की संख्या बढ़ी। पचपेड़ी नाका स्थित एक रेस्टोरेंट की ओनर लीना रमन ने बताया कि यूथ में वोटिंग अवेयरनेस के लिए ऑफर चलाया गया। रेस्टोरेंट आकर स्याही लगी उंगली दिखाने पर किसी भी तरह के फूड में 15 परसेंट डिस्काउंट दिया गया।

केक और कुकीज पर ऑफर

होममेड केक और कुकीज पर भी कुछ ऐसा ही डिस्काउंट दिया गया। मतदान केंद्र में अपनी सेल्फी लेकर फोटो दिखाने पर बेकरी आयटम पर डिस्काउंट दिए गए। होममेड प्रोडक्ट बनाने वाली संध्या अग्रवाल ने अपने कस्टमर को ये ऑफर दिया। ऑफर के तहत वोटिंग के बाद सेल्फी या उंगली पर स्याही दिखाने पर उन्हें कुकीज और केक में 10 परसेंट का डिस्काउंट ऑफर दिया गया। इसी तरह तेलीबांधा स्थित एक कैफे हाउस के ओनर राहुल आहूजा ने मतदान की सेल्फी देखकर कस्टमर को फ्री होम डिलीवरी और कैफे आने वाले कस्टमर को 10 परसेंट डिस्काउंट दिया।

अब तक विस चुनाव में 6055 मतदाताओं ने घर बैठे की वोटिंग

रायपुर । प्रदेश में 6055 मतदाताओं ने डाक बैलेट से घर बैठे वोटिंग की। इनमें 40 फीसदी से ज्यादा दिव्यांग और 80 साल तथा उससे ऊपर के बुजुर्ग वोटर शामिल हैं। चुनाव के पहले फेस में 1582 और दूसरे फेस में 4473 ने मतदान किया। इस वर्ग के जिन मतदाताओं को बूथों पर जाकर मतदान करना था उनकी सुविधा के लिए बूथों पर एनएसएस व स्काउट एंड गाइड के स्टूडेंट तैनात किए गए थे। पहले आयोग ने इन वर्ग के मतदाताओं के लिए मतदान रथ चलाने का ऐलानं किया था।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

वोटिंग के दौरान लाइन में खड़ी महिला की हार्ट अटैक से मौत

कसडोल। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान जारी है। प्रदेश की 70 सीटों पर मतदान चल रहा है। इस गीच कसडोल विधानसभा क्षेत्र में एक बड़ी घटना हो गई है। कसडोल विधानसभा के मतदान क्रमांक 76 मल्दा में मतदान के लिए लाइन में खड़ी महिला की मौत हो गई। अचानक महिला गिर पड़ी और बेहोश हो गई। उसे तत्काल मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई गई। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतिका का नाम सहोदरा (58) बताया जा रहा है। रिटर्निंग अधिकारी भूपेंद्र अग्रवाल ने इसकी पुष्टि की है।

नाबालिग दोस्तों ने पेट में 9 बार चाकू मारा, 2 दिन बाद अस्पताल में मौत

रायपुर (ए)। कोलियारी में 3 नाबालिग दोस्तों ने मिलकर अपने ही 17 वर्षीय साथी को चाकू मारकर हत्या की। नाबालिगों ने पेट में लगातार 9 बार चाकू मारा। उसे गंभीर हालत में रायपुर के मेकाहारा में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी 16 नवंबर की रात मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक घटना गोवर्धन पूजा के दिन 14 नवंबर की देर-शाम करीब 7 बजे हुई।

कोलियारी के 3 नाबालिगों ने आपसी विवाद में दीपांशु (16) पिता धनीराम निषाद के पेट पर लगातार 9 बार चाकू मारा। घटना के तुरंत बाद दीपांशु को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया। गंभीर स्थिति देखकर तुरंत रायपुर रेफर किया। रायपुर के मेकाहारा में 2 दिन इलाज चला। 16 नवंबर को देर-रात उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक मृतक दीपांशु निषाद 3 भाई-बहन होते थे। उसकी बड़ी बहन की शादी भी इसी साल करने की तैयारी चल रही थी।

बेटी के घर से वापस लौट रहे दंपति थ्रेसर-टैक्टर से टकराए, एक की मौत

रायगढ़ (ए)। बुधवार को अपनी बेटी के घर से वापस लौट रहे दंपती सड़क किनारे खड़े थ्रेसर-ट्रैक्टर से टकराकर घायल हो गए। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने डायल 112 को सूचना दी और घायलों को लैलूंगा हॉस्पिटल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रायगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान बेलोचन यादव की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बेलोचन यादव (60) सिरधर थाना लैलूंगा का रहने वाला था। हादसे में उसके चेहरे पर गंभीर चोट व उसकी पत्नी को मामूली चोट आई थी। सूचना के बाद चक्रधरनगर पुलिस ने मर्ग दर्ज कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

रंजिश पर घर के सामने आकर बदमाशों ने भाइयों को पीटा

बिलासपुर (ए)। पुरानी रंजिश को लेकर युवकों ने अधेड़ व उसके भाई से मारपीट की। मस्तूरी थाना क्षेत्र में हुई इस घटना का पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। ग्राम किरारी निवासी संतोष सिंह पिता भूखन सिंह (55) रोजी मजदूरी करते हैं। 15 नवंबर की शाम करीब 6 बजे उनका बेटा विक्की अपनी बाइक से तालाब की ओर जा रहा था। हरदेवलाल मंदिर के सामने जितेन्द्र उर्फ जीतू व नीतेश सिंह बैठे थे। पुरानी रंजिश को लेकर इनमें से जितेंद्र ने विक्की से गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने लगा और नीतेश के साथ मिलकर मारपीट की। संतोष सिंह वहां से बेटे व खुद की जान बचाकर घर पहुंचे। घर के सामने जितेन्द्र व नितेश मिले और मारपीट करने लगे। संतोष सिंह व उनके छोटे भाई अशोक ने बीच बचाव करने का प्रयास किए तो दोनों ने उनके साथ भी मारपीट की।

शादीशुदा महिला दोस्त से रेप

चिल्लाने लगी महिला तो गला दबाकर ले ली जान, आरोपी गिरफ्तार

दंतेवाड़ा (ए)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में एक शादीशुदा युवक ने अपनी शादीशुदा महिला दोस्त से रेप कर उसकी जान ले ली है। बताया जा रहा है कि, दोनों के बीच कुछ महीने पहले ही दोस्ती हुई। कुछ दिन पहले युवक ने महिला को शराब पीने ऑफर किया। दोनों साथ में बैठकर शराब पीए, जिसके बाद युवक ने उसका रेप कर दिया। जब महिला चिल्लाने लगी तो युवक ने गला दबाकर जान ले ली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला दंतेवाड़ा सिटी कोतवाली क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृत महिला की उम्र 40 साल है, जो ओडिशा की रहने वाली थी। शादीशुदा थी और इसके 2 बच्चे भी हैं। कुछ सालों से ये दंतेवाड़ा में रहकर मजदूरी का काम कर रही थी। 13 नवंबर की रात से गुम थी। परिजनों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी थी। जब पुलिस ने मामले की जांच की तो पता चला कि यह आंवराभाटा के रहने वाले शादीशुदा युवक विजय यादव (37) के साथ अंतिम बार देखी गई थी। जिसके बाद पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में किया खुलासा

विजय ने पुलिस को बताया कि, वह भी शादीशुदा है। मजदूरी का काम करता है। इसके भी दो बच्चे हैं। महिला के साथ कुछ महीने पहले दोस्ती हुई थी। फिर 13 नवंबर की रात महिला को शराब पीने ऑफर किया। जिसके बाद महिला काम के बाद इसके साथ गई। पातरास के जंगल में उसे शराब पिलाई और रेप कर दिया। जब महिला जोर-जोर से चिल्लाने लगी तो मुंह और गला दबाकर मार डाला। हत्या के बाद झाड़ी में शव फेंककर वहां से भाग निकला।

पुलिस ने शव बरामद किया

हत्या करना कबूलने के बाद आरोपी युवक पुलिस को उसी वारदात वाली जगह लेकर गया। झाड़ियों के बीच से पुलिस ने महिला का शव बरामद किया। ASP आर के बर्मन ने बताया कि, महिला के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया है। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में रेप करने और गला दबाकर जान लेने का पता चला। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

वोट देने निकले युवक को हाथी ने कुचला

खदेड़ने के दौरान हाथी ने वापस दौड़ाया तो भाग नहीं सका

मनेंद्रगढ़ (ए)। खड़गवां वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम मंगौरा में वोट देने के लिए निकले एक युवक को हाथी ने कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। वोटिंग सेंटर जाने के बजाए युवक हाथी को खदेड रहे ग्रामीणों के पास पहुंच गया। हाथी ने ग्रामीणों को दौड़ाया और एक युवक को कुचल दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक खड़गवां अंतर्गत ग्राम मंगौरा निवासी युवक उमेंद्र सिंह (30) शुक्रवार को वोट डालने के लिए निकला था। इस बीच नदी किनारे विचरण कर रहा हाथी गांव के पास आ गया तो लोग हाथी को दौड़ाने लगे। उमेंद्र सिंह भी हाथी खदेड़ने वाले दल में शामिल हो गया। हाथी ने दौड़ाने वाले ग्रामीणों को पलटकर दौड़ाया तो उमेंद्र सिंह नहीं भाग सका। उसे हाथी ने कुचल दिया।

गांव में दहशत

हाथी द्वारा युवक को कुचल दिए जाने से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि युवक को कुचलने वाला हाथी कई दिनों से क्षेत्र में विचरण कर रहा है। वहीं एक दूसरे हाथी को सुबह देवाडांड़ बीट से खदेड़ा गया जो मंगौरा बीट में पहुंच गया है। हाथियों की मौजूदगी से लोग दहशत में हैं।

घर के सामने गाली गलौज करने से मना करने पर धारदार वस्तु से हमला

बिलासपुर (ए)। घर के सामने गाली गलौज करने से मना करने पर बदमाश ने युवक पर धारदार वस्तु से हमला किया। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। लिंगियाडीह रामनगर निवासी विकास उर्फ नानू सूर्यवंशी पिता शिवकुमार सूर्यवंशी (19) कारपेंटर है। शुक्रवार की सुबह करीब 5.30 बजे जिम जाने के लिए उठा था।

चाय दुकान से चाय पीकर घर वापस आ रहा था। घर के सामने लिंगियाडीह काली मंदिर निवासी छोटा ब्लेड गाली गलौज कर रहा था। मना किया तो रोकने वाला कौन होता है कहते हुए उसका कालर पकड़ लिया और जान से मारने कि धमकी देने लगा साथ ही किसी धारदार वस्तु से गाल पर वार किया। इससे कटकर खून बहने लगा। मुन्ना साहू, गुलजार ने आकर बीच बचाव किया। घटना के बाद घायल ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

चरित्र शंका को लेकर फावड़ा मारकर पत्नी की हत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। बुधवार दोपहर थाना प्रभारी चक्रधरनगर को सम्बलपुरी से गांव के कोसाबाडी पीछे जंगल के पगडंडी में एक महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की सूचना देते हुए थाना प्रभारी स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। यहां गांव की शारदा खडिया पति कीर्तन खडिया उम्र 35 वर्ष का खून से लथपथ शव पड़ा मिला।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि शारदा और उसके पति कीर्तन खडिया के बीच घरेलू बात को लेकर विवाद होता रहता था। विवाद बढ़ा तो कीर्तन खडिया अपने पास रखे लोहे के फावड़े से शारदा खडिया के सिर में मारकर उसकी हत्या कर दी और यहां से भाग गया है। चक्रधरनगर पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजवाया। इसके बाद शिकायतकर्ता निराकार रठिया की रिपोर्ट पर आरोपी कीर्तन खडिया पर हत्या का अपराध दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कीर्तन खडिया चोरी के मामले में जेल में था। करीब दो माह पहले ही बाहर आया है। गांव आने के बाद से कीर्तन उसकी पत्नी पर चरित्र शंका कर आए दिन झगड़ा और विवाद करता रहता था।

आरोपी ने कबूला जुर्म पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने चरित्र शंका में अपनी पत्नी की हत्या करना स्वीकार किया। उसके मेमोरेंडम पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का फवड़ा, घटना समय पहने कपड़े (खून लगे) तथा घटनास्थल के पास से महत्वपूर्ण साक्ष्य को सुरक्षित जब्त किया गया है। आरोपी कीर्तन खडिया पिता जयमंगल खडिया (31) सम्बलपुरी थाना चक्रधरनगर को हत्या के अपराध में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

432 लीटर हाथ भट्ठी शराब व 1600 किलो ग्राम महुआ लाहन पकड़ा गया

रायगढ़ (ए)। विधानसभा आम निर्वाचन के मद्देनजर मदिरा के अवैध भंडारण, विक्रय एवं परिवहन को रोकने के उद्देश्य से कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के निर्देशन एवं आबकारी आयुक्त रामकृष्ण मिश्रा के मार्गदर्शन में आबकारी वृत्त-रायगढ़ दक्षिण के आबकारी उप निरीक्षक विकास पाल साण्डे के द्वारा ग्राम-टपरदा, थाना-पुसौर में 13 नवम्बर को 217 लीटर हाथ भट्ठी शराब एवं 800 किलो ग्राम महुआ लाहन जब्त की गई। इसी प्रकार उसी दिन आबकारी वृत्त-

रायगढ़ उत्तर के आबकारी उप निरीक्षक हाबिल खलखो द्वारा सुखा नाला, गोवर्धनपुर रायगढ़ में 215 लीटर हाथ भट्ठी शराब एवं 800 किलो ग्राम महुआ लाहन जब्त की गई। इस प्रकार कुल 432 लीटर हाथ भट्ठी शराब एवं 1600 किलो ग्राम महुआ लाहन जब्त की गई है। निर्वाचन के परिप्रेक्ष्य में लगातार सघन गश्त कर आबकारी अमला द्वारा जांच चौकियों में भी निगरानी रखी जा रही है एवं प्रकरण प्रकाश में आने पर तात्कालिक रूप से कार्यवाही की जा रही है।

कार्यवाही में आबकारी मुख्य आरक्षक कमलेश कुमार दुबे एवं नेलशन लबेट, आबकारी आरक्षक तुलेश्वर राठौर, राजेश्वर ठाकुर, कुलदीप ठाकुर एवं राधेगोविन्द पाण्डे, नगर सैनिक सरोज कंवर, सहयोगी ठण्डाराम यादव व संतोष कुमार यादव शामिल रहे।

फरार स्थायी वारंटियों और अवैध शराब पर तमनार पुलिस की कार्रवाई

रायगढ़ (ए)। थाना प्रभारी तमनार निरीक्षक आर्शीवाद राहटगांवकर द्वारा अवैध शराब और फरार वारंटी के विरुद्ध जांच अभियान चलाया गया जिसमें ग्राम कुधरीमाल, बुधरी पारा और बुढ़िया में पुलिस ने तीन स्थायी वारंटी जुम्मन अगरिया पिता राजू अगरिया कुधरीमाल थाना तमनार, राजकुमार परजा पिता ईश्वर परजा बुधरी पारा तमनार रोहित निषाद पिता नेहरू निषाद बुढ़िया थाना तमनार को गिरफ्तार किया गया। इन वारिंटियों पर वर्ष 2017 और 2019 में स्थायी वारंट जारी किया गया है जिसके परिपालन में पुलिस द्वारा वारंटियों को गिरफ्तार कर कोर्ट पेश किया गया। अवैध शराब पर कार्रवाई के लिए लगाये मुखबीर की सूचना पर को थाना प्रभारी तमनार निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में तमनार पुलिस ने ग्राम हमीरपुर बॉर्डर पर शराब रेड कार्यवाही किया गया।

गरियाबंद में आईईडी ब्लास्टः नक्सलियों ने पोलिंग पार्टी को बनाया निशाना, आईटीबीपी का जवान शहीद

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट में भारत तिब्बत सीमा पुलिस के एक जवान मौत हो गई। दरअसल शुक्रवार 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए 70 सीटों को लिए मतदान हो रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना मैनपुर थाना क्षेत्र के तहत बड़े गोबरा गांव के पास उस समय हुई जब सुरक्षा कर्मियों के साथ एक मतदान दल मतदान समाप्त होने के बाद वापस लौट रहा था।

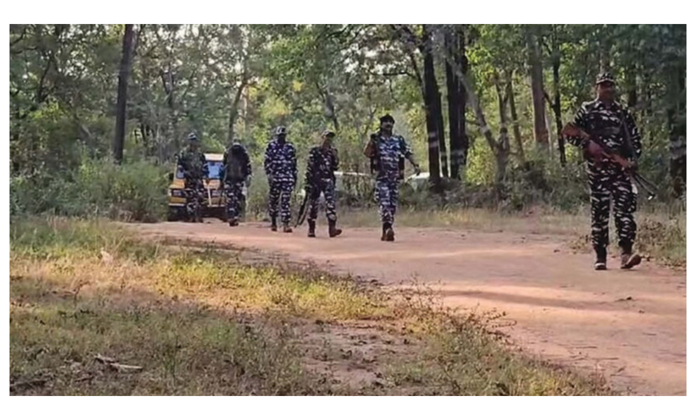

शुक्रवार को राज्य की 70 सीटों पर सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान हुआ। लेकिन गरियाबंद जिले के नक्सल प्रभावित बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के नौ मतदान केंद्रों पर सुरक्षा कारणों से सुबह सात बजे से दोपहर तीन बजे तक मतदान हुआ। पड़ोसी राज्य ओडिशा की सीमा से लगे बिंद्रानवागढ़ के इन नौ बूथों में बड़ा गोबरा भी शामिल था।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मतदान समाप्त होने के बाद जब चुनाव अधिकारी सुरक्षाकर्मियों के साथ मैनपुर लौट रहे थे, तब नक्सलियों ने विस्फोट कर दिया, जिसमें आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल जोगिंदर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा सीटों में से 20 पर पहले चरण का चुनाव सात नवंबर को हुआ था।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में माओवादियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में घायल एक ग्रामीण को सीआरपीएफ के जवानों ने बचाया। सीआरपीएफ ने घायल ग्रामीण को प्रारंभिक उपचार प्रदान किया और फिर गंगालूर के स्वास्थ्य सेवा केंद्र में उसके आगे के उपचार की व्यवस्था की।

बाथरूम में दुपट्टा से फांसी लगाकर युवती ने दी जान

जशपुरनगर (ए)। जशपुरनगर कुनकुरी थाना क्षेत्र के ग्राम सोमईकेला में शुक्रवार की सुबह एक युवती ने बाथरूम में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार सुबह करीब 10.40 बजे की है। कुनकुरी थाना प्रभारी सुनील सिंह ने बताया कि सोनम साय पिता दशरथ साय (33) ग्राम सोमईकला की रहने वाली थी।

वह भिलाई में एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करती थी। दिवाली पर अपने गांव आई हुई थी। शुक्रवार को सुबह करीब 10.40 बजे नहाने के लिए बाथरूम गई। जहां उसने लोहे के पाइप में दुपट्टे की मदद से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी समय बाद भी युवती के बाहर नहीं निकलने पर परिजन अंदर जाके देखे तो युवती की लाश लटक रही थी। युवती को जिंदा समझकर परिजना आनन-फानन में प्राइवेट वाहन में लेकर कुनकुरी के लिए होलीक्रास हास्पिटल पहुंचे।

जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। टीआई सुनील सिंह ने बताया कि फिलहाल युवती के आत्महत्या के कारण पता नहीं चल पाया है। युवती की शादी नहीं हुई थी। संभवतः इसी से परेशान होकर आत्महत्या की घटना को अंजाम दिया होगा। उनके परिजन से पूछताछ की जाएगी। पुलिस ने घटना की जानकारी होने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095
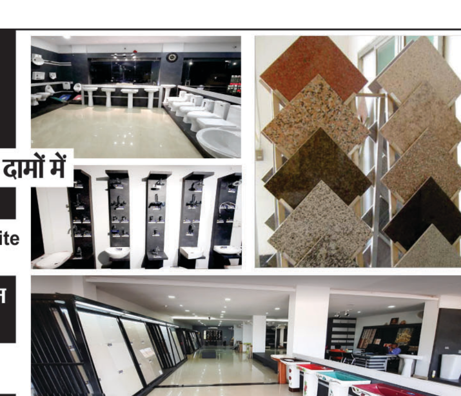

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

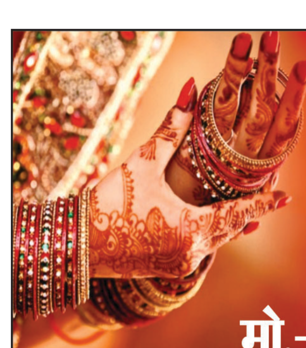
भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

जिला कार्यालय के सभाकक्ष से वेबकास्टिंग कंट्रोल, 743 मतदान केंद्रों में रखी गई नजर

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के निर्देशानुसार जिला कार्यालय के सभाकक्ष में मतदान दिवस वेबकास्टिंग कंट्रोल रूम बनाया गया। जिसमें जिले से 22 कर्मचारीयों की ड्युटी लगाई गई। जिससे जिले में हो रहे मतदान व मतदान केंद्रों की निगरानी की जा रही थी। यह कार्य सुबह 5 बजे से प्रारंभ किया गया जो मतदान कार्य समाप्ति तक निरंतर की गई। चिप्स की निदेशक श्रुति अग्रवाल ने बताया कि जिले के कुल 743 मतदान केंद्रों में निगरानी की गई। जीपीएस सिस्टम के माध्यम से इवीएम मशीन की ट्रेकिंग की गई तथा बसों के मार्गों की जानकारी भी ली गई। उन्होंने बताया कि उक्त कार्य के लिए विभिन्न विधानसभा क्षेत्र के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए। जिसमें पाटन विधानसभा क्षेत्र के लिए मुकेश कोठारी मोबाइल नं. 7999597069 के अंतर्गत 123 मतदान केंद्र, दुर्ग ग्रामीण के लिए शैलेष भगत 8959931620 के अंतर्गत 114 मतदान केंद्र, दुर्ग शहर के लिए ख्याति नेताम 7828680451 के अंतर्गत 109 मतदान केंद्र, भिलाई नगर पवन ठाकुर मोबाइल नंबर 9669592483 के अंतर्गत 84 मतदान केंद्र, वैशाली नगर लवकेश ध्रुव मोबाइल नंबर 9907339864 के अंतर्गत 123 मतदान केंद्र, अहिवारा पंचराम सलामे मोबाइल नंबर 9425558879 के अंतर्गत 130 मतदान केंद्र, साजा (आंशिक) व बेमेतरा (आंशिक) के लिए कविता पटेल मोबइल नंबर 7999587670 के अंतर्गत 50 मतदान केंद्र है। डिप्टी कलेक्टर दीपक निकुंज ने बताया कि वेबकास्टिंग के दौरान निर्वाद रूप से कार्य सुचारू रूप से चला। किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई।

स्कंदआश्रम में हुआ सुदर्शन और नक्षत्र हवन

भिलाई। स्कंदाश्रम, हुडको में स्कंदषष्ठी महोत्सव का आयोजन शुरू हो चुका है। यहां शुक्रवार को दूसरे दिन की शुरुआत सुबह लक्ष्मी गणपति पूजा से हुई। इसके बाद सुदर्शन हवन, स्वयंबर पार्वती हवन, दोपहर में नक्षत्र हवन, शाम को नवचंडी पारायण हवन, वसुंधरा हवन किया गया। यह जानकारी सुरेंद्र सिंह केम्बो ने दी।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया मतदान

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा एवं पुलिस अधीक्षक रामगोपाल गर्ग ने सवेरे अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कलेक्टर श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीण सपत्निक डॉ. कल्पना जोसेफ पॉलीटेक्निक कॉलेज पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कलेक्टर मतदान देने के बाद सेल्फी जोन में जाकर पत्नी के साथ सेल्फी ली। साथ ही एसपी ने भी सेल्फी जोन में सेल्फी ली। इसके साथ ही जिले के विभिन्न मतदान केन्द्रों के अवलोकन एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सपत्निक उन्होंने सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

कमिश्नर ने किया मतदान

दुर्ग। संभागायुक्त जनक प्रसाद पाठक ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। साथ ही उप जिला निर्वाचन अधिकारी बजरंग दुबे एवं पूर्व दुर्ग एसपी शलभ सिन्हा सपत्निक पॉलिटेक्निक कॉलेज दुर्ग में मतदान किया। मतदान देने के बाद सेल्फी जोन में जाकर सेल्फी ली। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

केवी दुर्ग में दो दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर आज से

दुर्ग। केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में शनिवार और रविवार को स्काउट गाइड विभाग की ओर से प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में प्रथम व द्वितीय सोपान के लगभग 200 छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे। प्राचार्य उमाशंकर मिश्रा ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों में सामाजिक सरोकार, समाज सेवा और नैतिक मूल्य की शिक्षा प्रदान करने की कोशिश करता है। शिविर के प्रभारी डॉ. अजय आर्य ने बताया कि शिविर के दौरान छात्र-छात्राओं को स्काउट गाइड के नियमों, विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया जाएगा। ग्रैंड कैंप फायर, सर्वधर्म प्रार्थना, स्वच्छता अभियान परेड अभ्यास आदि कार्यक्रम के आकर्षण होंगे। शिक्षक-शिक्षिकाएं प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षक टीम में टीएल साहू, आशुतोष सिंह, गीता माली, डॉ. श्रावणी सिंह, राजेश कुमार और नीति दास प्रमुख होंगे।

दुर्ग के सभी विधानसभाओं में शांतिपूर्ण मतदान, लोगों में दिखा भारी उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत आज जिले के सभी 6 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। मतदान के प्रति शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों का भारी उत्साह देखा गया। वे स्वस्फूर्त मतदान हेतु मतदान केन्द्रों में पहुंचे एक ओर जहां नये युवा मतदाताओं में मतदान के प्रति ललक थी, वहीं वृद्धजन एवं महिलाएं भी पीछे नहीं थीं। शहरी क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों में सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया था। पुलिस अधिकारी, फोर्स लगातार गश्त कर रहे थे। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी मतदान दलों को पुलिस प्रशासन द्वारा बेहतर सुरक्षा मुहैय्या कराई गई थी।

जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा प्रारंभिक संकलित जानकारी अनुसार जिले में 71.59 प्रतिशत मतदान होने का अनुमान लगाया गया है। अंतिम समाचार लिखते तक जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा अंतिम जानकारी संकलित की जा रही है। जिले में विधानसभा क्षेत्र 62-पाटन में 84.12 प्रतिशत, 63-दुर्ग ग्रामीण में 74.79 प्रतिशत, 64-दुर्ग शहर में 66.48 प्रतिशत, 65-भिलाई नगर में 66.34, 66-वैशालीनगर में 65.67 प्रतिशत तथा 67 अहिवारा में 72.02 प्रतिशत प्राप्त हुई है। अंतिम रूप से मतदान का प्रतिशत सभी मतदान केन्द्रों से मतदान संकलित होने पर अधिकृत रूप से जारी किया जा सकेगा। मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का उपयोग किया। मतदाताओं ने अपनी जागरूकता का परिचय देते हुऐ अपना निर्णय ई.व्ही.एम. एवं व्ही.व्ही. पैट में दर्ज किया।

फर्स्ट टाइम वोटर ने किया आदर्श मतदान केन्द्र में मतदान

दुर्ग। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत 64-दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के मतदान क्रमांक 129 में अपनी माता के साथ पहुंची फर्स्ट टाइम वोटर कुमारी साधना ने आदर्श मतदान केन्द्र में उपस्थित होकर मतदान किया। कुमारी साधना पहली बार अपनी मताधिकार का प्रयोग करने पर काफी उत्साहित दिखी और अपनी खुशी जाहिर की और अन्य लोगों को प्रेरित करने के लिए सेल्फी पाईंट में जाकर अपनी माता के साथ सेल्फी ली।

जिले के महिलाओं सहित सभी वर्गो में दिखा भारी उत्साह

दुर्ग। विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत महिलाओं का मतदान के प्रति जागरूकता एवं उत्साह देखने को मिला। मतदान केन्द्र क्रमांक 146 स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम जे.आर.डी. हायर सेकेण्डरी स्कूल में महिलाएं उत्साह के साथ मतदान का उपयोग कर लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी भागीदारी दी। जिले के फर्स्ट टाइम युवा मतदाताओं सहित बुजुर्ग, महिला सभी वर्ग के मतदाताओं में भारी उत्साह दिखा। मताधिकार उपयोग करने हेतु मतदान केन्द्र 146 में उपस्थित होकर अपने मताधिकार का उपयोग किये।

दुर्ग जिले में 71.59 प्रतिशत मतदान

पाटन	84.12
दुर्ग सिटी	66.48
दुर्ग ग्रामीण	74.79
वैशाली नगर	65.67
भिलाई नगर	66.34
अहिवारा	72.02

मतदान के बाद सेल्फी पांइट पर दिखी लोगों की भीड़

दुर्ग जिले में मतदान के बाद सील किया गया स्ट्रांग रूम

भिलाई। शुक्रवार को वोटिंग के बाद जुनवानी स्थित श्री शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज में स्ट्रांग रूम में ईवीएम की मशीनें जमा हुई। इसके बाद शनिवार को सुबह प्रत्याशियों और उनके प्रतिनिधियों की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम के मुख्य द्वार के शटर पर ताला लगाकर सील किया गया। अब 3 दिसंबर को मतगणना के दिन स्ट्रांग रूम खोला जाएगा। इस दौरान स्ट्रांग रूम और पूरे मंडी परिसर की सुरक्षा में चारों ओर फोर्स तैनात किया गया है। आज सुबह 8 बजे की गई स्ट्रांग रूम की सीलिंग के समय दुर्ग शहर के कांग्रेस प्रत्याशी अरुण वोरा, शहर

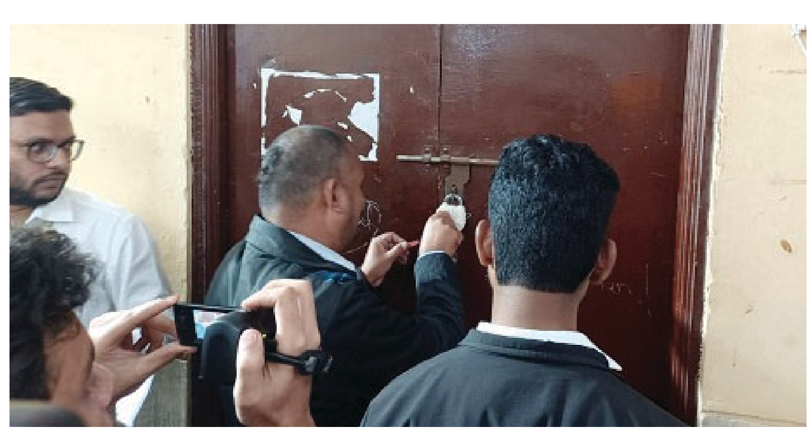

कांग्रेस अध्यक्ष गया पटेल, एल्डरमैन राजेश शर्मा, परमजीत सिंह भुई मौजूद थे। सीलिंग के दौरान भाजपा प्रत्याशी की ओर से सुरेंद्र कौशिक और राजेंद्र कुमार मौजूद रहे।

वोरा ने मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया

कांग्रेस प्रत्याशी अरुण वोरा ने शहर के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है। वोरा ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं से भरपूर आशीर्वाद मिला। मतदान के दिन भी

मतदाताओं ने उत्साह से मतदान किया। जीत के प्रति आश्वस्त वोरा ने मतदाताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा है कि वे शहरवासियों की सेवा में लगातार जुटे रहेंगे।

आंध्र समाज के लोगों ने मनाया नागुला चविती पर्व, नाग देवता की हुई पूजा अर्चना

लोगों ने सांप को दूध व अंडे का लगाया भोग, पटाखे भी फोड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दीपावली के चौथे दिन कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष चतुर्थी तिथि पर शुक्रवार को आंध्र समाज के लोगों ने पूरी श्रद्धा के साथ नागुला चविती पर्व मनाते हुए नाग देवता की पूजा-अर्चना की। इस दौरान भिलाई शहर में सांप की बिलों के पास विधि विधान से पूजा की गई। सांप के बिल पर की चंदन, सिंदूर और हल्दी से रंगोली डालकर आटे से बने दिए जलाकर विधि-विधान पूर्वक नाग देवता की पूजा अर्चना की गई। दूध, अंडा एवं अन्य पूजा सामग्री नाग देवता को अर्पित की। इस दौरान जमकर पटाखे भी फोड़े गए।

नागुला चवती पर्व आंध्र प्रदेश का प्रमुख पर्व है। परिवार में अच्छे स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और शांति की कामना के लिए नाग देवता की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि नागुला चविती को विधि विधान पूर्वक नाग देवता की पूजा अर्चना करने के पश्चात सर्प बिल के मिट्टी को कान में लगाने से पेट की सारी व्याधियां समाप्त हो जाती है। कार्तिक माह की चतुर्थी पर दक्षिण भारत में भगवान शिव के प्रिय नाग देवता की पूजा वन में जा कर सर्प के बिल में दुग्ध एवं अन्य आहार डालकर ,विधि विधान के साथ सपरिवार पूजा किया जाता है। हर साल की तरह इस साल भी आंध्र वासियों ने अलग अलग स्थान में सपरिवार हर्षोल्लास के साथ नागुला चविती मनाया जाता है।

नागुला चविती को नाग चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। भिलाई में जगह जगह मैदानी क्षेत्र में बनी बांबियों के पास आंध्र समाज के लोगों ने पूजा अर्चना की।

क्या आप ने भी बना रखा है यूपीआई आईडी, एक गलती से बंद हो सकता है खाता

भिलाई। आज के डिजीटल युग में UPI (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) का इस्तेमाल सबसे ज्यादा हो रहा है। इस बीच नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने यूपीआई यूजर्स के लिए एक नई गाइडलाइन जारी की है। सरकार की ओर से कहा गया है कि एक लापरवाही के कारण आपका यूपीआई अकाउंट, यूपीआई आईडी बंद हो सकता है। एनपीसीआई ने अपनी नई गाइडलाइन में कहा है कि यदि कोई यूपीआई यूजर एक साल तक अपने यूपीआई अकाउंट से किसी भी तरह का कोई ट्रांजेक्शन नहीं करता है तो उसकी यूपीआई आईडी बंद कर दी जाएगी। एनपीसीआई ने कहा डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में ग्राहकों के लिए सुरक्षित लेनदेन अनुभव सुनिश्चित करने के लिए बैंकिंग प्रणाली के भीतर अपनी जानकारी की नियमित रूप से समीक्षा और सत्यापन करना आवश्यक है।

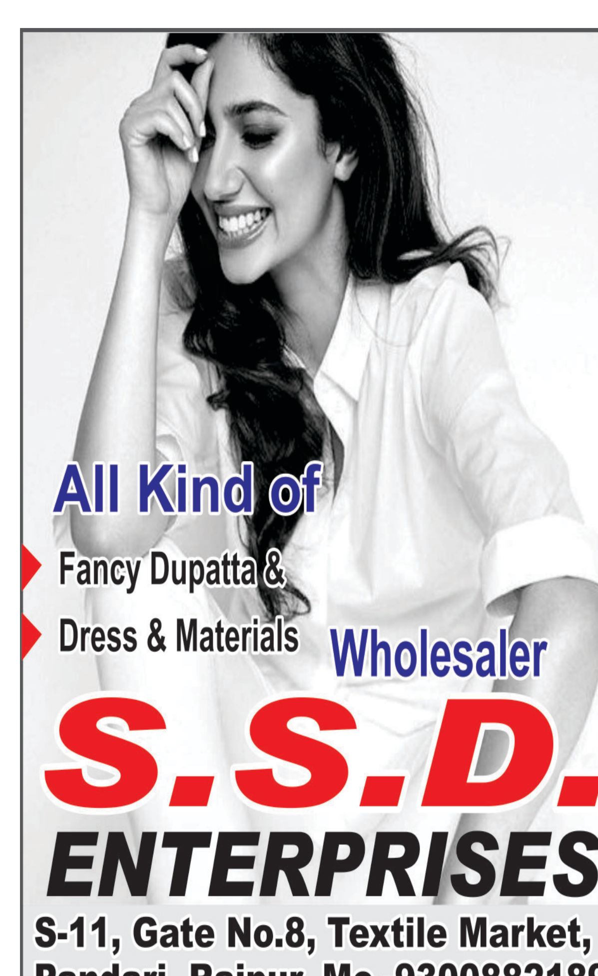

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950